epaper.dehatsandesh.com

3 सुरक्षित शीतकालीन यात्रा के लिए जागरूकता अभियान का समापन

6 चार्जिंग बुनियादी ढांचे के निर्माण में ईवी को अपनाना एक जन आंदोलन : गोयल

7 पंजाबी फिल्मों में फ्लाप हुई तो इन 5 एक्ट्रेसेस को मिला भोजपुरी सिनेमा का सहारा

मौसम जम्मू — न्यूनतम 6 — अधिकतम 18

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

देहात संदेश

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

वर्ष-22, जम्मू तवी, अंक-05 | जम्मू तवी, सोमवार 06 जनवरी, 2025 | मूल्य-3 रूपये- (लेह)4 रूपये | पृष्ठ -8

प्रधानमंत्री मोदी आज जम्मू के नए रेलवे डिवीजन का करेंगे वर्चुअली उद्घाटन

जम्मू, 5 जनवरी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को वर्चुअली मोड के ज़रिए नव निर्मित जम्मू रेलवे डिवीजन का उद्घाटन करेंगे, जिससे भारत के सबसे उत्तरी क्षेत्र में ट्रेन सेवाओं के कुशल प्रबंधन का मार्ग प्रशस्त होगा।

जम्मू में नए रेलवे डिवीजन की स्थापना के साथ, क्षेत्र के लोगों की लंबे समय से चली आ रही मांग पूरी हो गई है। यह मील का पत्थर कार्यक्रम कटरा से कश्मीर के लिए ट्रेन सेवाओं के बहुप्रतीक्षित उद्घाटन से पहले हुआ है, जिसका अंतिम ट्रायल रन मंगलवार को निर्धारित है।

एक अधिकारी ने कहा, प्रधानमंत्री कल नई दिल्ली से वर्चुअल मोड के ज़रिए जम्मू रेलवे डिवीजन का उद्घाटन करेंगे। जम्मू में इस कार्यक्रम में उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और सांसद जुगल किशोर शर्मा शामिल होंगे और इसे संबोधित करेंगे। केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह के भी इसमें भाग लेने की उम्मीद है।

जम्मू में मुख्यालय वाले इस नव निर्मित डिवीजन में फिरोजपुर डिवीजन का पुनर्गठन शामिल होगा। इसके अधिकार क्षेत्र में निम्नलिखित खंड शामिल होंगे, जिनमें पठानकोट-जम्मू-उधमपुर-श्रीनगर-बारामुल्ला (423 रूट किमी), भोगपुर-सिरवाल-पठानकोट (87.21 रूट किमी), बटाला (छोड़कर)-पठानकोट (68.17 रूट किमी) और पठानकोट-जोगिंदर नगर (नैरो गेज सेक्शन, 163.72 रूट किमी) शामिल हैं।

इन खंडों की कुल लंबाई 742.1 किलोमीटर होगी। वर्तमान में, भारतीय रेलवे देश भर में 68 डिवीजनों के साथ 17 जोन संचालित करता है।

रेलवे अधिकारियों ने कहा कि अंतिम अधिकार क्षेत्र विस्तृत परियोजना रिपोर्ट के आधार पर निर्धारित किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि इस डिवीजन में आधुनिक, हाई-टेक सुविधाएं होंगी, जिसमें सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) की पूरी क्षमता का लाभ उठाया जाएगा। इस डिवीजन के निर्माण के साथ, भारतीय रेलवे के पास अब अपने 17 क्षेत्रों के अंतर्गत 70 डिवीजन होंगे। नव स्थापित डिवीजन भारत की प्रतिष्ठित रेल परियोजनाओं के संचालन की देखरेख करेगा, जिसमें देश का पहला केबल-स्टेड रेल पुल, अंजी खाद पुल और कौरी में चिनाब नदी पर दुनिया का सबसे ऊंचा रेलवे आर्च ब्रिज शामिल है। रियासी जिले में स्थित चिनाब रेल पुल नदी तल से 359 मीटर (1,178 फीट) ऊपर है, जो इसे पेरिस के एफिल टॉवर से 35 मीटर ऊंचा बनाता है। जम्मू डिवीजन उधमपुर-श्रीनगर-बारामुल्ला रेलवे लिंक (यूएसबीआरएल) परियोजना का भी प्रबंधन करेगा, जो अब पूरा होने वाला है। अंजी खाद पुल की कुल लंबाई 473.25 मीटर है, जिसमें 120 मीटर का वायडक्ट और 94.25 मीटर का केंद्रीय तटबंध शामिल है। वर्तमान में, जम्मू और कश्मीर में रेलवे सेवाओं का प्रबंधन उत्तरी रेलवे के फिरोजपुर डिवीजन द्वारा किया जाता है।

दिल्ली से कश्मीर के लिए ट्रेन सेवाओं के उद्घाटन के संबंध में, रेलवे सुरक्षा आयुक्त 7 और 8 जनवरी को वैधानिक निरीक्षण और अंतिम परीक्षण करेंगे।

ट्रेन सेवाओं के चरणबद्ध संचालन के साथ, रेलवे को 272 किलोमीटर की यूएसबीआरएल परियोजना के 255 किलोमीटर हिस्से को पूरा करने की उम्मीद है, जिससे कटरा और रियासी के बीच केवल एक छोटा सा हिस्सा दिसंबर तक पूरा हो जाएगा।

जम्मू स्थित चांद नगर गुरुद्वारा श्री गुरु नानक देव जी में श्री गुरु गोबिंद सिंह जी महाराज का प्रकशोत्सव बड़ी श्रद्धा व धूमधाम से मनाया गया। छायाः सुरजीत

गैस सिलेंडर विस्फोट में शेड हाउस हुआ नष्ट

जम्मू,, 5 जनवरी। मागम अपर चेरहर में एजाज अहमद शेख के शेड हाउस को गैस सिलेंडर विस्फोट ने पूरी तरह नष्ट कर दिया। इस घटना से परिवार संकट में पड़ गया, क्योंकि दमकल विभाग व पुलिस टीम की तत्काल कार्यवाई के बावजूद घर पूरी तरह जलकर खाक हो गया। घटना के बाद, तहसीलदार हंदवाड़ा, नायब तहसीलदार मागम, एसआई पुलिस स्टेशन मागम, कंसर्न पटवारी हलका, कंसर्न चोकीदार और प्रमुख सामाजिक कार्यकर्ता डॉ. शेख जमशीद ने नुकसान का आकलन करने के लिए घटनास्थल का दौरा किया। हंदवाड़ा के उप-जिला प्रशासन ने प्रभावित परिवार को तत्काल राहत प्रदान की। मीडिया से बात करते हुए, डॉ. शेख जमशीद ने कुपवाड़ा की डिप्टी कमिश्नर आयुषी सूदन से अपील की कि वे परिवार की सहायता के लिए जिले के संसाधनों से राहत राशि आवंटित करें। उन्होंने परिवार के सामने आने वाली अतिरिक्त चुनौतियों पर प्रकाश डाला, और बताया कि परिवार का एक सदस्य कई वर्षों से बीमारी से जूझ रहा है। इस दुखद घटना ने व्यापक सहानुभूति आकर्षित की है, तथा परिवार को फिर से जीवन जीने में मदद करने के लिए तत्काल सहायता की मांग की गई है।

श्रीनगर एयरपोर्ट पर कोहरे के कारण 10 उड़ानें रद्द

श्रीनगर, 5 जनवरी। अधिकारियों ने बताया कि कोहरे के चलते खराब दृश्यता के कारण रविवार को श्रीनगर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर 10 उड़ानें रद्द कर दी गईं हैं।

भारतीय विमान प्राधिकरण के एक अधिकारी ने बताया कि श्रीनगर हवाई अड्डे पर सुबह-सुबह दृश्यता 50 मीटर थी जिससे हवाई यातायात प्रभावित हुआ। सभी एयरलाइनों ने सुबह 10 बजे के बाद अपनी उड़ानें स्थगित कर दीं। अधिकारी ने बताया कि दृश्यता में मामूली सुधार के साथ अब तक 10 उड़ानें रद्द की जा चुकी हैं। शनिवार को भी घने कोहरे के कारण हवाई अड्डे पर परिचालन प्रभावित हुआ था जिससे उड़ानों में देरी हुई और कई उड़ानें डायवर्ट की गईं थी।

श्रीनगर में घर को लगी आग बुझाने में झुलसे दो दमकल कर्मी

जम्मू,, 5 जनवरी। श्रीनगर के राजौरी कदल इलाके में एक घर में देर रात को भीशण आग लग गई। आग की सूचना पाकर मौके पर पहुंची दमकल टीम ने आग बुझाने का कड़ा प्रयास किया और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। हालांकि इस हादसे में मकान तो पूरी तरह से जलकर राख हो गया लेकिन आग बुझाने के प्रयास में दो दमकल कर्मी भी झुलस गए। जिन्हें उपचार के लिए एसएमएचएस अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।

बनिहाल बाईपास का काम पूरा, 15 दिन में 4 लेन यातायात के लिए खुल जाएगा : गडकरी

रामबन,5 जनवरी। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने घोषणा की है कि राष्ट्रीय राजमार्ग के रामबन-बनिहाल खंड पर बनिहाल शहर तक नवनिर्मित 4-लेन, 2.35 किलोमीटर लंबा बाईपास 15 दिनों के भीतर 4-लेन यातायात के लिए पूरी तरह से चालू हो जाएगा। एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट में, गडकरी ने कहा- 卐जम्मू और कश्मीर में, हमने 224.44 करोड़ की लागत से बनिहाल शहर तक 4-लेन, 2.35 किलोमीटर लंबा बाईपास सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। एनएच-44 के रामबन-बनिहाल खंड पर रणनीतिक रूप से स्थित, इस बाईपास में 1,513 मीटर तक फैले 4 पुल और 3 पुलिया हैं, जो सड़क किनारे के बाजारों और दुकानों के कारण होने वाली लगातार अड़चन को प्रभावी ढंग से दूर करते हैं। शुरुआत में 2-लेन ट्रैफ़िक जारी किया जाएगा और जंक्शन विकास के बाद 15 दिनों के भीतर 4-लेन ट्रैफ़िक जारी किया जाएगा। यह महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा निर्बाध यातायात प्रवाह सुनिश्चित करता है, जिससे कश्मीर घाटी के रास्ते में पर्यटकों और रक्षा वाहनों दोनों के लिए यात्रा का समय और भीड़भाड़ कम हो जाती है। क्षेत्रीय संपर्क में सुधार के अलावा, यह बाईपास राष्ट्रीय सुरक्षा रसद को मजबूत करता है और क्षेत्र में पर्यटन की संभावनाओं को बढ़ाता है।卐 जम्मू और कश्मीर में, हमने 224.44 करोड़ की लागत से बनिहाल शहर तक 4-लेन, 2.35 किलोमीटर का बाईपास सफलतापूर्वक पूरा किया है। एनएच-44 के रामबन-बनिहाल खंड पर रणनीतिक रूप से स्थित, बाईपास में 1,513 मीटर तक फैले 4 पुल और 3 पुलिया हैं, जो प्रभावी रूप से जम्मू लिंक्स न्यूज़ के लिए एक आदर्श स्थान है।

भारत के जन और पर्यावरण की सेवा ही भारत माता का वास्तविक पूजन : मोहन भागवत

खंडवा/ओंकारेश्वर, 05 जनवरी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने ओंकारेश्वर में आयोजित तीन दिवसीय कुटुंब प्रबोधन गतिविधि की अखिल भारतीय बैठक के अंतिम दिन रविवार को भारत माता पूजन के महत्व और उद्देश्य को प्रतिपादित करते हुए कहा कि भारत भूमि हमारा पालन-पोषण, संरक्षण और संवर्धन करती है। भारत भूमि में जन्म लेने वाले प्रत्येक जन में सेवा का स्वाभाविक संस्कार है। भारत माता का पूजन मतलब भारत में रहने वाले जन, जमीन, जंगल, जल और जानवरों की सेवा और सुरक्षा करना है। पर्यावरण, जैव विविधता का संरक्षण और संवर्धन भारत माता पूजन से मिलने वाली प्रेरणा है।

कुटुंब प्रबोधन गतिविधि की अखिल भारतीय बैठक के अंतिम दिन का प्रारंभ रविवार को सुबह ओंकारेश्वर स्थित नर्मदा किनारे मार्कण्डेय आश्रम पर भारत माता पूजन से हुआ। सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने भारत माता और आदि शंकाराचार्य का पूजन किया। पवित्र नर्मदा किनारे मार्कण्डेय आश्रम में नर्मदा आरती के पश्चात भारत माता पूजन में सरसंघचालक डॉ. भागवत ने एकांत में अध्यात्म साधना और लोकान्त में समाज सेवा का आह्वान किया। उन्होंने गृहस्थ आश्रम को धर्म की धुरी बताते हुए कहा कि जो जिस भी स्थित में है, उसे समाज की सेवा के लिये तत्पर रहना चाहिए। जिस प्रकार गरुड़ ने माता की सेवा से देवता का वाहन बनने का आशीर्वाद पाया, उसी प्रकार हम भी भारत माता की सेवा के आशीर्वाद से धर्म के वाहक बनने में समर्थ हों।

जेड-मोड़ सुरंग को सार्वजनिक उद्घाटन के लिए अंतिम मंजूरी का इंतजार : अधिकारी

श्रीनगर,5 जनवरी। बहुप्रतीक्षित जेड-मोड़ सुरंग, श्रीनगर-लेह राजमार्ग को जोड़ने वाला 6.5 किलोमीटर लंबा रणनीतिक मार्ग है, जिसे सार्वजनिक उद्घाटन के लिए नई दिल्ली से औपचारिक मंजूरी का इंतजार है। एपीसीओ अमरनाथजी टनलवे प्राइवेट लिमिटेड द्वारा निर्मित सुरंग को 24 जुलाई, 2024 को वाणिज्यिक संचालन की तिथि प्राप्त हुए लगभग छह महीने बीत चुके हैं। 2,400 करोड़ रुपये की सुरंग के पूरा होने के बावजूद, अधिकारियों ने कहा कि वे इसे जनता के लिए खोलने के लिए अभी भी आधिकारिक हरी झंडी का इंतजार कर रहे हैं। परियोजना से परिचित एक सूत्र ने पुष्टि की कि इस महीने के अंत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सुरंग का उद्घाटन कर सकते हैं, हालांकि अभी तक कोई आधिकारिक तारीख की पुष्टि नहीं हुई है। एक अधिकारी ने कहा, जेड-मोड़ सुरंग सार्वजनिक उपयोग के लिए पूरी तरह से तैयार है, लेकिन हम अभी भी नई दिल्ली से औपचारिक मंजूरी का इंतजार कर रहे हैं। हमें जल्द ही हरी झंडी मिलने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि सुरंग में पर्यटन को बढ़ावा देने और यात्रा की कठिनाइयों को कम करने की क्षमता है। उन्होंने कहा, यह सुरंग हमारे जीवन को बहुत आसान बना देगी, खासकर कठोर सर्दियों के दौरान। यह निराशाजनक है कि महीनों से तैयार होने के बावजूद यह अभी भी जनता के लिए नहीं खुली है। उन्होंने आगे कहा, हमें उम्मीद है कि सरकार जल्दी से जल्दी काम करेगी, क्योंकि यह हमारी स्थानीय अर्थव्यवस्था और दैनिक आवागमन के लिए महत्वपूर्ण है। बिल्ड-ऑपरेट-ट्रांसफर (बीओटी) मॉडल का हिस्सा, जेड-मोड़ सुरंग से सोनमर्ग के लोकप्रिय पर्यटन स्थल और जम्मू और कश्मीर के बाकी हिस्सों के बीच संपर्क बढ़ने की उम्मीद है। 8,500 फीट की ऊंचाई पर स्थित, सुरंग सभी मौसम में पहुंच प्रदान करेगी और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण क्षेत्र लद्दाख में सैन्य रसद को बढ़ावा देगी। इस परियोजना की परिकल्पना सबसे पहले 2012 में सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) ने की थी, जिसके निर्माण का काम बाद में राष्ट्रीय राजमार्ग और अवसंरचना विकास निगम लिमिटेड (एनएचआईडीसीएल) ने अपने हाथ में ले लिया।

किश्तवाड़ में खाई में गिरा वाहन, चार की मौत व दो लापता

जम्मू,, 5 जनवरी। किश्तवाड़ जिले के पाडर के मस्सु क्षेत्र में रविवार सुबह एक टिप्पर वाहन गहरी खाई में गिर जाने से चार लोगों की मौत हो गई है।इस वाहन में सवार दो लोग अभी लापता हैं। पुलिस मौके पर पहुंच गई है और लापता दोनों लोगों को पास में बह रह रही नदी में खोजा जा रहा है। केन्द्रीय राज्यमंत्री

जितेन्द्र सिंह ने इस दुर्घटना पर दुख जताया और क्षेत्र के डिप्टी कमिश्नर से दुर्घटना की जानकारी ली है।

बताया जा रहा है कि एक टिप्पर वाहन से छह लोग एक कंपनी के प्रोजैक्ट साइट पोद्दार से मस्सु की ओर जा रहे थे। मस्सु क्षेत्र में वाहन अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिर गया।खाई में गिरने से वाहन के परखचे उड़ गए। इस हादसे में वाहन सवार चार लोगों की मौत हो गई। हादसे की जानकारी पाकर स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और चार लोगों के शवों को निकाला। इस दुर्घटना में दो लोग अन्य अभी लापता बताये जा रहे हैं। संभवता दुर्घटनास्थल के पास बह रही नदी में लापता लोगों के बहने की आशंका जताई जा रही है। पुलिस मौके पर पहुंच चुकी है। इस दुर्घटना को लेकर केंद्रीय राज्यमंत्री जितेंद्र सिंह ने भी किश्तवाड़ के डिप्टी कमिश्नर से इस मामले पर बात की। केंद्रीय राज्यमंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने एक्स पर पोस्ट कर कहा, अभी यह जानकर दुख हुआ कि वाहन में यात्रा कर रहे चार यात्रियों को मौके पर ही मृत पाया गया है। चालक सहित दो अन्य व्यक्तियों का अभी तक पता नहीं चला है। शोक संतप्त परिवार को मेरी हार्दिक संवेदनाएं।

डिजिटल पर्सनल डेटा सुरक्षा एक्ट के लिए ड्राफ्ट नियम जारी

नई दिल्ली, 5 जनवरी। पर्सनल डिजिटल डेटा संरक्षण अधिनियम लागू होने जा रहा है। लोगों के पर्सनल डेटा को साइबर अपराधियों से बचाने के लिए केंद्र सरकार ने एक मसौदा तैयार किया है। रविवार को सरकार ने इस संबंध में तैयार मसौदों और उसके नियमों को जारी कर दिया है।इससे डेटा चोरी शिकंशा कसा जा सकेगा। सरकार ने शिकायत निवारण और डेटा संरक्षण बोर्ड बनाने का भी निर्णय लिया है। इलेक्ट्रॉनिक और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने डिजिटल पर्सनल डेटा सुरक्षा एक्ट के लिए ड्राफ्ट नियम जारी किए हैं, जिसके अनुसार डेटा फिड्युसरी (एक ऐसी संस्था या व्यक्ति, जो पर्सनल डेटा की सुरक्षा और गोपनीयता की जिम्मेदारी लेता है) के लिए बच्चे के किसी भी पर्सनल डेटा को प्रोसेस करने से पहले माता-पिता सहमति लेना अनिवार्य होगा।

मुख्य सचिव ने 'जेके समाधान' शिकायत पोर्टल पर शिकायतों के निपटान की गुणवत्ता का आकलन किया

जम्मू 05 जनवरी। मुख्य सचिव अटल डुल्लू ने 'जेके समाधान' शिकायत पोर्टल पर विभिन्न विभागों और उपायुक्तों के कार्यालयों द्वारा शिकायतों के निपटान की गुणवत्ता का आकलन करने के लिए सभी प्रशासनिक सचिवों और उपायुक्तों की बैठक बुलाई।

बैठक के दौरान मुख्य सचिव ने नागरिकों द्वारा दर्ज की गई कुछ शिकायतों को देखने के लिए 'जेके समाधान' शिकायत पोर्टल का लाइव प्रदर्शन किया। उन्होंने इस अवसर पर संबंधित विभागों द्वारा दिए गए जवाबों की गुणवत्ता के अलावा शिकायतों के समाधान की समयसीमा का आकलन किया। प्रशासनिक प्रमुखों को अपने विभागों के खिलाफ शिकायतों के निपटान की गुणवत्ता की निगरानी के लिए उप सचिव से नीचे के पद के नोडल अधिकारी नियुक्त करने का निर्देश दिया। उन्होंने आगे की कार्रवाई के लिए शिकायतों की सामग्री संतोषजनक नहीं होने पर शिकायतों को समय से पहले बंद करने के बजाय नागरिकों से स्पष्टीकरण मांगने का आह्वान किया।

मुख्य सचिव ने जिला प्रशासन से कहा कि वे निवासियों के बीच 'जेके समाधान' पोर्टल का आकर्षण बढ़ाएं, ताकि उनके लिए शिकायत पंजीकरण आसान हो सके।

उन्होंने नागरिकों के पंजीकरण को बढ़ाने के अलावा सभी शिकायतों को पोर्टल पर अपलोड करने के लिए कहा, जिसमें भौतिक रूप से प्राप्त शिकायतें भी शामिल हैं। मुख्य सचिव ने लोक शिकायत विभाग को प्रशासनिक प्रमुखों और उपायुक्तों को उनके संबंधित विभागों और जिलों से संबंधित विश्लेषणात्मक डैशबोर्ड तक सुपर एक्सेस देने के लिए भी कहा। उन्होंने उन्हें इस साल फरवरी तक पोर्टल के एआई आधारित अपडेटेड वर्जन के साथ तैयार रहने का निर्देश दिया। इस अवसर पर लोक शिकायत सचिव एजाज असद ने मुख्य सचिव को लोक शिकायत पोर्टल का प्रदर्शन किया।

उपायुक्त द्वारा जिला कैपेक्स बजट 2024-25, एचएडीपी के तहत भौतिक, वित्तीय प्रगति की समीक्षा

राजौरी 05 जनवरी। जिला कैपेक्स बजट 2024-25 और समग्र कृषि विकास कार्यक्रम के तहत हासिल की गई प्रगति की समीक्षा करने के लिए, जिला विकास आयुक्त राजौरी अभिषेक शर्मा ने जिला अधिकारियों के साथ एक वर्चुअल बैठक बुलाई।

डीडीसी ने चल रही परियोजनाओं की वित्तीय और भौतिक प्रगति में तेजी लाने की आवश्यकता पर जोर दिया ताकि उन्हें समय पर पूरा किया जा सके।

उन्होंने अधिकारियों को जिला कैपेक्स बजट और एचएडीपी दोनों के तहत विकास कार्यों के कार्यान्वयन में आने वाली बाधाओं की पहचान करने और उनका समाधान करने का निर्देश दिया।

सर्दियों के मौसम में निर्बाध सेवाओं की आवश्यकता पर प्रकाश डालते हुए, डीडीसी ने सभी क्षेत्रों में स्थिर बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए विशिष्ट निर्देश जारी किए। उन्होंने संबंधित विभागों को जनता की असुविधा को कम करने के लिए डीकेजी और कोटरंका क्षेत्रों में बर्फको तुरंत साफकरने का भी निर्देश दिया।

डीडीसी ने सभी अधिकारियों से क्षेत्र-स्तरीय कार्यान्वयन पर कड़ी नजर रखने का आग्रह किया और निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए समन्वित प्रयासों के महत्व पर बल दिया।

बैठक के समापन पर डीडीसी ने गुणवत्तापूर्ण सेवाएं प्रदान करने और लोगों की आकांक्षाओं के अनुरूप प्रमुख परियोजनाओं को लागू करने के लिए जिला प्रशासन की प्रतिबद्धता दोहराई।

सर्दियों में कैसे बचाएं अपने दिल को

बदलते लाइफ स्टाइल के इस दौर में हार्टअटैक के मामले ज्यादा देखने को मिल रहे हैं। पहले लोगों का ऐसा मानना था कि 60 वर्ष से ऊपर के बुजुर्ग ही इसकी चपेट में आते हैं, परन्तु अब ऐसा नहीं रह गया है। 30 से 40 साल के लोगों में भी इसका खतरा होता है। वैसे तो हार्ट अटैक कभी भी हो सकता है परन्तु जाड़े में ऐसे मरीजों का औसत दर ज्यादा बढ़ जाता है। इसका मुख्य कारण जाड़े में खून की नलियों का सिकुड़ना है। राजेंद्र आयुर्विज्ञान एवं प्रशिक्षण संस्थान , रांची के डॉक्टर संजय सिंह का कहना है कि जाड़े में खून की नलियां ज्यादा सिकुड़ती हैं। जब खून की नलियां सिकुड़ने लगेंगी तब रक्त का प्रवाह धीरे-धीरे कम होने लगेगा, जिससे हार्ट अटैक की आशंका बढ़ जाती है।

बचाव के उपाय - डॉक्टर संजय के अनुसार जब ठंड ज्यादा बढ़ जाए तो उससे बचने के लिए कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी है। सुबह टहलने वाले लोग मौसम के अनुकूल अपने समय में बदलाव करें। ज्यादा सुबह न निकलें। ज्यादा दूरी तक न टहलें। जो लोग ब्लडप्रेशर, हार्ट, शुगर आदि के मरीज हैं वे डॉक्टर से जरूर सलाह लें।

खाने में क्या लें - मौसमी फल, सलाद एवं आंवले जरूर लें। सलाद में भी प्याज एवं टमाटर ज्यादा से ज्यादा लें।

लक्षण - जब अपने शरीर में अप्रत्याशित बदलाव महसूस करें। जैसे ज्यादा पसीना आना, घबराहट, चक्कर आना एवं सीने में दर्द महसूस होना। पेट खराब एवं उल्टी होना ठंड लगने के लक्षण हैं। जैसे ही इसका अहसास हो, डॉक्टर के पास तुरंत जाएं।

सर्दी-जुकाम-खासी को ऐसे दें शिकस्त

सर्दियों का मौसम आम तौर पर स्वास्थ्य के लिए अच्छा माना जाता है, किंतु यदि आप कफ विकार से ग्रस्त है तो इससे आप सर्दियों के पूरे मौसम में जुकाम-खासी व सांस रोग से परेशान हो सकते हैं। प्रस्तुत हैं, इन तकलीफों से निजात पाने के उपाय

- ठडा पानी या ठडे पेय लेने के बजाय गुनगुना पानी पिएं। अदरक डालकर सब्जियों का सूप पिएं।
- तेज भूख लगने पर ही भोजन करे, क्योंकि कम भूख या भूख के बगैर भोजन लेने से हाजमा सही नहीं होगा और कफ बनेगा।
- गेहू के आटे में चौथाई या आधी मात्रा में चने का आटा मिलाकर रोटी बनाएं। यदि चावल खाना है, तो उसमें काली मिर्च, तेज पत्ता आदि गर्म मसाला मिलाएं।
- भोजन खूब चबाकर करें और भूख से थोड़ा कम खाएं।
- कब्ज न रहने दें। इसके लिए प्रात- गर्म पानी पीकर व्यायाम करने के बाद शौच जाएं।
- दिन में तीन से चार बार सरसों का या बादाम का तेल 4-5 बूंद नाक में डालकर कफ निकालें।
- नासिका क्षेत्र में मैग्नेट का साउथ पोल 5 मिनट तक घुमाने से साइनोसाइटिस में लाभ मिलता है।
- पीठ की ओर से गर्म पानी की थैली से सुबह शाम सेंक करने से फेफड़ों की सर्दी बहुत जल्दी दूर हो जाती है।

सावधानिया

- रात को बायीं करवट सोएं।
- कानों में ठडी हवा का झोंका न लगे, इसके लिये कान में रुई लगाए रखें।
- अगर आप जलनेति करते हैं, तो उसके बाद विरेचन प्राणायाम करे।
- खुले पैर घास में न टहले।
- ठंडे खाद्य व पेय पदार्थ ग्रहण न करें।

वेडिंग डाइट प्लान

फिट रहना हर किसी के लिए जरूरी है, लेकिन होने वाली दुल्हन के लिए अपनी सेहत और फिटनेस पर ध्यान देना अनिवार्य है। दौड़भाग, शादी की तैयारिया और तनाव के चलते डाइट पर कंट्रोल करना मुश्किल होता है। फोर्टिस हॉस्पिटल की चीफ डाइटीशियन किरण दलाल और क्लीनिकल न्यूट्रिशनिस्ट निधि सरीन बता रही हैं भावी दुल्हन अपनी डाइट का प्लान कैसे करे कि वजन नियंत्रित रहे....

आमतौर पर लड़कियों का वजन शादी से पहले तीन कारण से बढ़ता है- भागदौड़, तनाव और लगातार पार्टी। इसी तरह शादी के बाद वजन बढ़ने के तीन मुख्य कारण हैं- प्रेग्नेंसी, शादी के बाद परिवार, घर और अन्य जिम्मेदारियों में इतना व्यस्त हो जाना कि खानपान पर ध्यान न दे पाना, पति के साथ उनकी तरह ही पोर्शन लेना, जाने-अनजाने वे एक्स्ट्रा कैलोरी ले लेती हैं। एक बार फैट शरीर पर चढ़ने लगता है तो उसे रोकना काफी मुश्किल होता है। बेहतर होगा अगर पहले से ही खानपान की कुछ आदतों पर अमल किया जाए और डाइट प्लान बनाया जाए। अगर आप शादी से पहले और बाद में अतिरिक्त वजन को हटाना चाहती हैं तो यहा दी गई बातों पर गौर फरमाएं।

शादी से पहले

- अपने दिन की शुरुआत नींबू मिले गर्म पानी से करें। इसमें क्रश किए हुए पुदीने के पत्ते भी मिला सकती हैं।
- जब भूख लगे सूप या जूस पिएं।
- अगर आप कैलोरी में कटौती करना चाहती हैं तो सबसे पहले चीनी, आइसक्रीम, केक, पेस्ट्री और प्रोसेस्ड फूड को अपने आहार से हटाएं।
- रोजाना के हिसाब से अपना लक्ष्य बनाएं। प्रतिदिन आपको 1,600 कैलोरी मिलनी चाहिए, लेकिन इससे कम करने की कोशिश करें। यह ध्यान रखें कि दिनभर में आपको कम से कम तीन मील्स और दो स्नैक्स मसलन फल या रोस्टेड नट्स या फिर स्टीम्ड फर्मेंटेड फूड लेने हैं।
- दिन की शुरुआत के लिए ब्रेकफास्ट बहुत जरूरी है। इसमें मीठे से बचें। लो फैट मिल्क प्रोडक्ट्स को प्राथमिकता दें। एक-दो सर्विंग मल्टीग्रेन सीरियल, स्प्राउट्स या बींस और कटे हुए फल लें। इससे आपको ब्रेकफास्ट से लगभग 300 कैलोरी मिलेगी। बाकी कैलोरी आपको लंच और डिनर से मिलनी चाहिए।
- लंच/डिनर में होलग्रेन सीरियल, दालें या ग्रिल्ड फिश या चिकेन के एक टुकड़े के साथ लो फैट प्रोबायोटिक दही, सलाद और एक बोल स्टीम्ड रंगीन सब्जिया लें।
- शादी से एक महीने पहले अचानक पांच किलो वजन घटाना भी ठीक नहीं है। अगर ऐसा चाहती हैं तो इसके लिए आपको शादी से छह महीने पहले अपने आहार पर ध्यान देना होगा। इसका सीधा असर आपके बाल और त्वचा पर पड़ेगा।
- अच्छी त्वचा के लिए गाजर, एप्रिकॉट, पीले और नारंगी रंग के फल व सब्जिया खाएं। पालक और अन्य हरी पत्तेदार सब्जियों को प्राथमिकता दें। टमाटर खाएं, उसमें लाइकोपीन पाया जाता है।
- अखरोट खाएं, इसमें ओमेगा फैटी एसिड पर्याप्त मात्रा में पाया जाता है, जो बालों को चमकदार और त्वचा को बेहतर बनाता है।
- दिनभर में चार-पांच कप ग्रीन टी पिएं।
- इस दौरान अल्कोहॉल व धूम्रपान से दूर रहें।
- सैलेड, सूप और फलों का सेवन करने से फैटी एसिड मिलेगा, जिससे आपको एनर्जी भी मिलेगी।
- त्वचा में पानी की कमी न होने दें। दिनभर में पर्याप्त पेय पदार्थ जैसे जूस, सूप, पानी खूब पिएं।

शादी के बाद

- जो कुछ भी खाएं धीरे-धीरे और खुश होकर खाएं। टीवी के सामने या बात करते हुए न खाएं। धीमी गति से खाने से आपको जल्दी ही पेट भरा हुआ महसूस होगा।
- ब्रेकफस्ट एक साथ करें। जिसमें एक बाउल फ्रूट्स, मूसली या फिर ओटमील हो।
- लंच में हरी सब्जियों वाला सूप जरूर लें। नॉन वेजेटेरियन हैं तो प्रॉन्स को प्राथमिकता दें।
- उस समय कतई न खाएं, जब आप तनाव या गुस्से में हों।
- ब्लैक कॉफी, जंक फूड, चाय से जहा तक हो सके दूर रहें। रिफाइंड प्रोडक्ट से बचें।
- पार्टनर के साथ एक्सरसाइज जरूर करें। फिजिकल एक्टिविटी बढ़ाने से दिल की सेहत अच्छी रहती है। कोलेस्ट्रॉल और ब्लडप्रेशर नियंत्रित रहता है। डिनर के बाद रोजाना एक घटा टहलने का लक्ष्य बनाएं।
- एक-दूसरे के पोर्शन को मैच न करें, क्योंकि पुरुषों को दिनभर में अलग कैलोरी और स्त्रियों को भिन्न कैलोरी की जरूरत होती है। पुरुषों को स्त्रियों की अपेक्षा अधिक कैलोरी की जरूरत होती है।
- जो भी खाएं पौष्टिक हो, लेकिन खाने की मात्रा हमेशा ध्यान में रखें।
- सब कुछ खाएं, लेकिन सीमित मात्रा में ताकि आप फिट और स्वस्थ रहें। संतुलित डाइट लें। खाने पर नियंत्रण का यह मतलब नहीं कि आप एक्सरसाइज करना छोड़ दें। साथ-साथ वह भी जरूरी है।

डांस करके घटाइए वजन

डांस के दौरान हाथ-पैरों के साथ ही पूरे शरीर की एक्सरसाइज हो जाती है। डांस करने से शरीर का ब्लड सर्कुलेशन बहुत तेज होता है,साथ ही शरीर की मांसपेशियों पर भी काफी खिंचाव पड़ता है,जो स्वस्थ बनाए रखता है। मोटापे से ग्रसित वे लोग, जिन्हें योगा और जिम जाना अच्छा नहीं लगता है,डांस के द्वारा मोटापे पर नियंत्रण पा सकते हैं। जी हां,डांस करने से मनोरंजन तो होता ही है,साथ ही इससे पूरे शरीर की कसरत भी हो जाती है। यह खुद को फिट रखने का सबसे अच्छा तरीका है। इससे शरीर के हर एक अंग की अच्छी कसरत हो जाती है। हर रोज डांस करने से पूरा शरीर स्वस्थ रहता है। डांस का दिमाग पर भी अनुकूल असर पड़ता है। इससे शरीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ मानसिक स्वास्थ्य भी ठीक बना रहता है। जो लोग थोड़ी देर तक ही सही लेकिन नियमित डांस करते हैं,उनको मोटापे की समस्या नहीं होती और वे स्वस्थ बने रहते हैं। डांस फ्लोर पर कम से कम पांच मिनट डांस करने मात्र से शरीर की तीस कैलोरी ऊर्जा बर्न हो जाती है। शोधकर्ताओं का कहना है कि जो लोग कम उम्र में ही डांस करना शुरू कर देते हैं,उन्हें कम तनाव होता है और उनकी सेहत फिट बनी रहती है।

एलोवेरा बनेगा किडनी का सुरक्षा कवच

वनस्पतियों में छिपे औषधीय गुणधर्म हजारों साल से जीवन को संजीवनी देते रहे हैं, लेकिन उनके अनुसंधान पर परिणामी काम नहीं हुआ। अंग्रेजी दवाओं की भेंट चढ़ती जिंदगी में फिर से जान फूंकने के लिए चिकित्सा जगत आयुर्वेद की शरण में खड़ा हैं। लाला लाजपत राय मेडिकल कॉलेज के फार्मोकोलोजी विभाग में गिलोय के बाद अब एलोवेरा पर चल रहे एक शोध में इसे किडनी रोगों पर अत्यंत लाभकारी पाया गया है। चरक संहिता में भी एलोवेरा को औषधीय गुणों से लवरेज बताया गया है, किंतु वैज्ञानिक शोध पर आधारित पुष्टि की कमी रही। फार्मोकोलोजी विभाग की एमडी की छात्रा डॉ. शालिनी वीरानी ने चूहों पर किए गए एक शोध में पाया कि एलोवेरा के सेवन से एक माह में उनकी किडनी पूरी तरह ठीक हो गई।

महंगी डायलिसिस से मिलेगी निजात

किडनी रोगियों की संख्या बढ़ने से चिकित्सा के समक्ष एक कठिन चुनौती है। एलोपैथिक में किडनी रोगियों को डायलिसिस पर रखा जाता है, जो महंगा होने के साथ-साथ साइड इफेक्ट भी करता है। एलोवेरा से किडनी रोगों में चमत्कारिक सुधार के संकेत से अब विभाग ट्रायल का दूसरा चरण शुरू करेगा। बाद में इसके पेटेंट के लिए आवेदन किया जाएगा।

मन को जोड़ें सांसों से

मन को काबू में करने का मतलब है अपनी अनियंत्रित विचारशैली को नियंत्रित करना। मन को सांसों से जोडिए। प्राणवायु से जुड़ते ही बेलगाम मन पर नियंत्रण करना आसान हो जाएगा। अपने विचारों को रोकने का प्रयास करें। विचार रूकते ही मन धीमा होगा, इसे फिर सांसों से जोड़ दें। मन का सांस से गहरा संबंध है। मन सारी इंद्रियों का स्वामी है और सांस मन का। इसलिए श्वास के नियंत्रण से हम चित्त को स्थिर करके आंतरिक शांति प्राप्त कर सकते हैं। जब भी बेचैनी हो, मन अशांत हो, तनाव हो, तो पद्मासन में बैठकर सांस भीतर खींचे, उसे थोड़ी देर भीतर ही रोकें, फिर धीरे-धीरे छोड़ दें। ऐसा प्रयोग दिन में दो-तीन बार करने से आप काफी सहज महसूस करेंगे।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुंद्रक – नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड़, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-बी, फेस- 2, इंडस्ट्रियल इस्टेट, गंग्याल जम्मू से मुद्रित। संपादक– नीलम सिंह गिल। फोन नंबर : (95) 191-2574109, 2548103 RNI Regd. No: JKBIL/2004/13144 Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com

कठुआ में श्री गुरु गोबिंद सिंह जी का 358वां प्रकाशोत्सव धार्मिक श्रद्धा के साथ मनाया

कठुआ 05 जनवरी (हि.स.)। श्री गुरु गोबिंद सिंह जी का 358वां प्रकाशोत्सव धार्मिक श्रद्धा के साथ मनाया गया। जिला गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के बैनर तले आयोजित मुखर्जी चैक पर स्थित गुरुद्वारा में कार्यक्रम के दौरान रागी जत्थों ने गुरु महिमा का गुणगान करते हुए संगत को निहाल किया।

स्थानीय रागी सहित अन्य ने गुरु महिमा का गुणगान करते हुए संगत को गुरु गोबिंद सिंह जी के बताए मार्ग पर चलने का आह्वान किया। इस अवसर पर कठुआ के सभी धर्मों के लोगों ने गुरुद्वारा में माथा टेककर आपसी भाईचारे की मिसाल दी। इसके साथ ही गुरुद्वारा श्री कलगीधर में अखंड पाठ साहिब बहते शुक्रवार को आरंभ हुआ था। जोकि रविवार को गुरुपर्व के उपलक्ष्य पर पाठ का भोग डाले गया। कार्यक्रम के समापन पर लंगर प्रसाद भी संगत ने ग्रहण किया। जिला गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के प्रधान चरणजीत सिंह ने कहा कि गुरु ग्रंथ साहिब ने हमें सच्चाई और धर्म के नाम पर चलने का संदेश दिया है ऐसे में हमें सच्चाई और धर्म के नाम पर चलकर आपसी भाईचारे को बनाए रखना होगा। उन्होंने युवाओं से भी आह्वान किया कि वे गुरु गोबिंद सिंह जी के बताए मार्ग पर चलकर समाज को बेहतर दिशा की ओर ले जाने में अपना योगदान दें। इस अवसर पर कठुआ के विधायक डॉ भारत भूषण ने भी गुरुद्वारा में माथा टेककर सच्चाई और धर्म के नाम पर चलने का संदेश दिया।

मुख्यमंत्री ने आग से प्रभावित परिवारों को आवास सहायता के लिए मंजूरी प्राप्त की

जम्मू 05 जनवरी। भारत सरकार ने किश्तवाड़ जिले की वारवान घाटी के मुलवारवान गांव के अग्नि पीड़ितों को आवास सहायता प्रदान करने के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के तहत एक विशेष परियोजना को मंजूरी दी है।

पिछले साल 15 अक्टूबर को लगी भीषण आग ने कई घरों को नष्ट कर दिया था, जिससे कई परिवार बेघर हो गए थे। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने अगले ही दिन प्रभावित क्षेत्र का दौरा किया और पीड़ितों को दीर्घकालिक पुनर्वास का आश्वासन दिया। उन्होंने परिवारों को उनके घरों के पुनर्निर्माण और उनके जीवन को बहाल करने में मदद करने के लिए केंद्र सरकार से सहायता प्राप्त करने का भी वचन दिया।

इस विशेष आवास पैकेज को मंजूरी मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला द्वारा केंद्र सरकार से की गई अपील के बाद मिली है, जिसमें उन्होंने प्रभावित परिवारों के दीर्घकालिक पुनर्वास के लिए अतिरिक्त वित्तीय सहायता का अनुरोध किया था।

मुख्यमंत्री ने पीएमएवाई-जी के तहत आवास सहायता की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया, ताकि परिवारों को अपने घरों का पुनर्निर्माण करने और सामान्य स्थिति में लौटने में मदद मिल सके। इस संबंध में, ग्रामीण विकास मंत्रालय, ग्रामीण विकास विभाग (ग्रामीण आवास प्रभाग) ने औपचारिक रूप से ग्रामीण विकास विभाग, जम्मू और कश्मीर सरकार के सचिव को इस अनुमोदन की सूचना दी है। सूचना के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए विशेष परियोजना के तहत 85 घरों (7 पूर्व पीएमएवाई-जी लाभार्थियों सहित) को आवंटित किया गया है।

गौ माता को राष्ट्रीय माता का दर्जा दिलाने के लिए रैली आयोजित

जम्मू, 5 जनवरी (हि.स.)। मूवमेंट कल्कि के नेतृत्व में आज शक्ति नगर, गुड़ा बख्शी नगर से इस्कॉन मंदिर तक एक विशाल रैली का आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य गौ माता को राष्ट्रीय गौ माता का दर्जा दिलाना था। रैली में भाजपा के वरिष्ठ नेताओं, संघ के कार्यकर्ताओं, इस्कॉन के सदस्यों और अन्य गणमान्य नागरिकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। रैली का नेतृत्व अनुराधा योगी, कमल किशोर, नेहा मल्होत्रा, और सुषमा शर्मा ने किया। रैली का समापन इस्कॉन मंदिर में हुआ, जहां भक्तों ने भी भाग लिया और गौ माता की सुरक्षा के लिए समर्थन व्यक्त किया।

मूवमेंट कल्कि के सलाहकार प्रीतम शर्मा ने कहा कि उनका लक्ष्य सिर्फ गौ माता की सुरक्षा सुनिश्चित करना नहीं है, बल्कि सनातन धर्म के मंदिरों और धार्मिक स्थलों की रक्षा के लिए एक सशक्त सनातन बोर्ड का गठन भी है। भाजपा के पार्षद सुरेंद्र सिंह चौधरी ने भी गौ माता की सुरक्षा के लिए सशक्त कानून बनाने की बात की और गौ हत्या पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगाने की मांग की। अनुराधा योगी ने कहा कि गौ हत्या जैसे पाप को अब और सहन नहीं किया जा सकता और जम्मू-कश्मीर में गायों की सुरक्षा के लिए सख्त कानून की जरूरत है।

रैली में प्रमुख रूप से प्रीतम शर्मा, सपना हिंदू, नेहा मल्होत्रा, सपना कोहली, सुनीता कुंडल, राहुल प्रधान, एडवोकेट सोमेश्वर कोहली और कई अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे। मूवमेंट कल्कि ने भविष्य में इस अभियान को तब तक जारी रखने का संकल्प लिया है, जब तक गौ माता को राष्ट्रीय गौ माता का दर्जा और उनकी सुरक्षा के लिए सख्त कानून नहीं बन जाता। साथ ही, सनातन धर्म और मंदिरों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सनातन बोर्ड का गठन किया जाएगा।

विवाह-अन्य मांगलिक कार्यो के शुभ मुहूर्त के लिए अब नहीं करना होगा इंतजार

जम्मू, 5 जनवरी (हि.स.)। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार गुरू और शुक्र तारा उदय हो एवं शुभ मुहूर्त में ही विवाह आदि मांगलिक कार्य सम्पन्न किए जाते है। इस विषय में श्रीकैलख ज्योतिष एवं वैदिक संस्थान ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत रोहित शास्त्री ज्योतिषाचार्य ने बताया कि विवाह एवं मांगलिक कार्यों के लिए गुरू और शुक्र तारा का उदय होना एवं शुभ मुहूर्त का होना बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है।

सन् 2024 ई. 11 दिसंबर को विवाह का अंतिम मुहूर्त था क्योंकि 15 दिसंबर रविवार को पौष मास शुरू हो गया था। तदनन्तर 13 जनवरी सन् 2025 ई. तक पौष माह रहेगा। अर्थात 11 दिसंबर सन् 2024 ई. से लेकर 13 जनवरी 2025 तक विवाह का कोई भी शुभ विवाह मुहूर्त नहीं है। पौष मास में आपको विवाह आदि मांगलिक कार्य करने से बचना चाहिए। सन् 2025 ई. 13 जनवरी के बाद ही शुभ मुहूर्त में विवाह आदि मांगलिक कार्य शुरू होंगे। सन् 2025 ई. विवाह का पहला मुहूर्त 16 जनवरी को है। पौष मास के दौरान आप सगाई आदि का कार्य यानि कि मंगनी आदि कार्य शुभ मुहूर्त में कर सकते हैं। मंगनी आदि कार्य में कोई समस्या वाली बात नहीं है

मुफ्ती मोहम्मद सईद की पुण्यतिथि पर जरूरतमंद लोगों में वितरित किए गए कंबल

आरएस पुरा, 5 जनवरी (हि.स.)। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की तरफ से रविवार को गांव कोटली शाह दुला में कार्यक्रम का आयोजन कर पार्टी के संस्थापक एवं जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री मुफ्ती मोहम्मद सईद को उनकी 9वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की गई! पीडीपी के वरिष्ठ नेता नरेंद्र शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम के दौरान पार्टी के संस्थापक मुफ्ती मोहम्मद सईद को श्रद्धांजलि देने के साथ-साथ सर्दी के मौसम को देखते हुए जरूरतमंद लोगों में कंबल तथा अन्य जरूरी सामान वितरित किया गया।

पुलिस ने पंचारी में प्रतिबंधित पदार्थ के साथ एक ड्रग तस्कर को पकड़ा

जम्मू, 5 जनवरी (हि.स.)। एसएचओ के नेतृत्व में थाना पंचारी की पुलिस टीम ने पंचारी के कैंथगली के पास कुंती लिंक रोड पर गश्त/वाहन जांच ड्यूटी के दौरान एक व्यक्ति सुशील कुमार पुत्र विश्व नाथ निवासी लोअर मीर, पंचारी को पकड़ा।

उधमपुर पुलिस टीम को देखकर मौके से भागने की कोशिश कर रहा था, लेकिन वह संदिग्ध निकला।

पूरी तरह तलाशी लेने पर उसके पास से 102 ग्राम गांजा और 98 ग्राम चरस जैसा पदार्थ बरामद हुआ, जिसे मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया। इस पर थाना पंचारी में कानून की संबंधित धाराओं के तहत एफआईआर नंबर 02/2025 दर्ज किया गया है।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने गुरु गोविंद सिंह जी की जयंती पर शुभकामनाएं दीं

जम्मू 05 जनवरी। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने सिख समुदाय और गुरु गोविंद सिंह जी की जयंती मनाने वाले सभी लोगों को हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। अपने बधाई संदेश में मुख्यमंत्री ने गुरु गोविंद सिंह जी के जीवन और शिक्षाओं पर प्रकाश डाला, जिन्होंने अपने लोगों के लिए सच्चाई, ईमानदारी और वफादारी का उदाहरण पेश किया। उन्होंने कहा कि गुरु के आदर्श और मूल्य दुनिया भर के लोगों को प्रेरित करते रहेंगे और आने वाली पीढ़ियां उन्हें संजो कर रखेंगी।

तेज रफ्तार मेटाडोर पलटी, कई श्रमिक हुए घायल

जम्मू, 5 जनवरी (हि.स.)। आज जम्मू अखनूर मार्ग पर रेस लगाने के चक्कर में एक मेटाडोर बीच सड़क में पलट गई और इसमें कई श्रमिक घायल हुए है। बताया जा रहा है कि यह हादसा मिश्रीवाला में पेश आया है जिसमें एक बस और मेटाडोर में एक दूसरे को पीछे छोड़ने की होड़ लगी थी और इसी दौरान चालक मेटाडोर पर काबू नहीं रख पाया और वो बीच सड़क में जा पलटी। हादसे के साथ ही लोगों ने चीख पुकार शुरू कर दी। तभी स्थानीय लोगों ने मेटाडोर में सवार लोगों को बाहर निकाला जो कि सभी श्रमिक थे और सुबह काम पर जा रहे थे। बाद में घायलों को उपचार के लिए जीएमसी जम्मू लाया गया। हालांकि गनीमत रही कि मेटाडोर सड़क पर ही पलटी कही पास में बह रही रणबीर कनाल में नहीं गिर गई जिससे यह एक बड़ा हादसा हो सकता था।

डोगरा सदर सभा की 120वीं आम परिषद बैठक आयोजित

जम्मू, 5 जनवरी (हि.स.)। डोगरा सदर सभा (डीएसएस) की 120वीं आम परिषद बैठक रविवार को जम्मू में सभा परिसर में आयोजित की गई। आम परिषद की बैठक में पूरे केंद्र शासित प्रदेश के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

बैठक के दौरान सभा के अध्यक्ष और पदाधिकारियों के पदों के लिए चुनाव रिटर्निंग ऑफिसर ब्रिगेडियर एमएस जामवाल (सेवानिवृत्त) की देखरेख में जी ए ख्वाजा सेवानिवृत्त डीसी की सहायता से आयोजित किए गए। आम परिषद ने सर्वसम्मति से गुलचैन सिंह चाड़क को अध्यक्ष और एडवोकेट एचसी जलमारिया को डीएसएस के महासचिव के रूप में फिर से चुना जिससे उनके नेतृत्व और समर्पण की पुष्टि हुई।

अध्यक्ष और महासचिव ने सभा के कामकाज को मजबूत करने के लिए विभिन्न पदों के लिए अन्य पदाधिकारियों को भी नामित किया जिनमें कर्नल करण सिंह जामवाल, गंभीर देव सिंह चाड़क, जी.ए. ख्वाजा, नरिंदर सिंह जामवाल, सरदार अरविंदर सिंह अमन, डॉ. नसीब सिंह मन्हास, अमानत अली शाह, खजूर सिंह, ब्रिगेडियर विजय सागर धीमान, जगदीप सिंह, मास्टर छंकर सिंह, मेजर जनरल सुनीता कपूर वीएसएम, प्रो. डॉ. अनीता बिल्लौरिया, श्रीमती उमा काटल, एडवोकेट अहतशाम और मास्टर दविंदर सिंह।

अपने संबोधन में गुलचैन सिंह चाढ़क ने सभा के सदस्यों को उन पर अपना विश्वास दिखाने के लिए हार्दिक आभार व्यक्त किया और डोगरा समुदाय के कल्याण और इसकी समृद्ध विरासत के संरक्षण के लिए अथक प्रयास करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। पूर्व मंत्री ने प्रमुख क्षेत्रीय मुद्दों को हल करने और जम्मू और कश्मीर के लोगों के बीच एकता को बढ़ावा देने के लिए सभा के चल रहे प्रयासों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सभा का गठन 1904 में महाराजाओं के समय में किया गया था और लाला हंस राज महाजन इसके संस्थापक महासचिव थे। सभा के अन्य कार्यकारी सदस्य मियां ज्वाला सिंह, वकील हजरत शाह और दया कृष्ण गर्दिश थे। यह उस समय राज्य का एकमात्र संगठन था जिसे तत्कालीन शासकों द्वारा मान्यता प्राप्त थी। इसने समाज के भाईचारे, सौहार्द और कल्याण के लिए काम किया। तब से यह डोगरा उद्देश्य के लिए अपना काम जारी रखे हुए है, चाहे वह सांस्कृतिक विरासत हो, भाषा का प्रचार हो, ऐतिहासिक स्थान हों या क्षेत्र का समग्र विकास हो।

जनरल काउंसिल की बैठक में कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों को अपनाया गया जिसका उद्देश्य प्रमुख मुद्दों को संबोधित करना और जम्मू-कश्मीर की सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करना था। प्रस्तावों में जम्मू-कश्मीर के राज्य का दर्जा बहाल करने और सभी रूपों में नशीले पदार्थों की तस्करी से निपटने के उपायों की जोरदार मांग शामिल थी। सभा ने डोगरा विरासत के ऐतिहासिक प्रतीक मुबारक मंडी परिसर को पुनर्जीवित और बहाल करने के लिए एक व्यापक संरक्षण योजना की आवश्यकता पर बल दिया।

सुरक्षित शीतकालीन यात्रा के लिए जागरूकता अभियान का समापन

जम्मू,, 5 जनवरी (हि.स.)। करनाह कुपवाड़ा में भारतीय सेना, स्थानीय स्कूल और समुदाय ने एनसी दर्रे में सर्दियों में सुरक्षा के लिए जागरूकता फैलाई। स्थानीय लोगों को कठोर सर्दियों के मौसम में एनसी दर्रे में यात्रा करने की चुनौतियों और जोखिमों के बारे में शिक्षित करने के उद्देश्य से आयोजित एक सफल सोशल मीडिया जागरूकता अभियान। इस पहल का उद्देश्य यात्रियों की सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करना था, जिसमें अनियंत्रित आवाजाही के खतरों पर जोर दिया गया, जिसने अतीत में कई लोगों की जान ली है, और सुरक्षित यात्रा के लिए महत्वपूर्ण निवारक उपाय प्रदान किए गए। अभियान ने स्थानीय लोगों से नागरिक अधिकारियों और सुरक्षा बलों के साथ सहयोग करने का भी आग्रह किया, जिसमें सर्दियों के मौसम में जोखिमों को कम करने के लिए जारी किए गए सुरक्षा निर्देशों और सलाह का पालन करने के महत्व पर जोर दिया गया। अभियान में गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज तंगधार, एजीएस हाजीनार और तिथवाल और न्यू लाइट पब्लिक स्कूल सहित विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों के 28 छात्रों की मजबूत भागीदारी देखी गई। प्रतिभागी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से जागरूकता फैलाने में सक्रिय रूप से लगे हुए थे, सर्दियों में यात्रा सुरक्षा को प्रोत्साहित करने के लिए महत्वपूर्ण सुरक्षा जानकारी साझा कर रहे थे।

उपराज्यपाल ने किश्तवाड़ दुर्घटना में लोगों की मौत पर दुख व्यक्त किया

जम्मू 05 जनवरी। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने किश्तवाड़ के सन्यास इलाके के पास हुई दुर्घटना में लोगों की मौत पर गहरा दुख व्यक्त किया है।

उपराज्यपाल ने अपने शोक संदेश में कहा है किश्तवाड़ में हुई दुखद सड़क दुर्घटना में लोगों की मौत से दुखी हूं।

उपमुख्यमंत्री ने उप-जिला अस्पताल सुंदरबनी का औचक निरीक्षण किया

सुंदरबनी 05 जनवरी। उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी ने उप-जिला अस्पताल सुंदरबनी का औचक निरीक्षण किया, जिसमें गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा और रोगी संतुष्टि के महत्व पर जोर दिया गया। दौरे के दौरान, उपमुख्यमंत्री ने अस्पताल के विभिन्न वार्डों का दौरा किया और रोगियों से बातचीत कर उनकी चिंताओं और अनुभवों को समझा। उन्होंने उन्हें स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने और उनकी जरूरतों को प्रभावी ढंग से हल करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता का आश्वासन दिया। अस्पताल में सफाई की स्थिति पर नाराजगी व्यक्त करते हुए, उपमुख्यमंत्री ने ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर को सुविधा के सभी क्षेत्रों में सफाई सुनिश्चित करने के लिए तत्काल उपाय करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा, सफाई एक बुनियादी आवश्यकता है और रोगियों और कर्मचारियों दोनों के लिए एक सुरक्षित और स्वस्थ वातावरण बनाने के लिए इसे प्राथमिकता दी जानी चाहिए। उपमुख्यमंत्री ने अस्पताल के अधिकारियों को रोगियों के लिए उचित उपचार सुनिश्चित करने और स्वच्छता के उच्च मानकों को बनाए रखने का भी निर्देश दिया। अस्पताल में चल रहे निर्माण कार्य की प्रगति की समीक्षा करते हुए, सुरिंदर चौधरी ने इसके पूरा होने की स्पष्ट समय सीमा निर्धारित की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को 31 मार्च 2025 तक या उससे पहले सभी निर्माण कार्य पूरा करने का निर्देश दिया, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि उन्नत बुनियादी ढांचा बिना किसी देरी के जनता के लिए उपलब्ध हो सके।

Azadi Ka Amrit Mahotsav

G20 भारत 2023 INDIA

UNION TERRITORY OF JAMMU & KASHMIR
OFFICE THE EXECUTIVE ENGINEER PWD (R&B) DIVISION R.S.PURA
e-mail : xenpwdrspura@gmail.com

SHORT NOTICE INVITING TENDER

Short e-NIT No. DRSP/66 of 2024-25 Dated 03-01-2025

For and on behalf of the Lieutenant Governor, Union Territory of Jammu and Kashmir e-tenders are invited on percentage basis from approved and eligible Contractors registered with Union Territory of J&K, CPWD, Railways, MES and other State/Central Governments for each of the following works :-

S. No	Name of Work	Name of Division	Advertised Cost (` in Lacs)	Cost of document	Earnest Money	Time Allowed for complete-on	Time and date of opening of tender	Class of Contractor
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	Construction of 02 Mtr. Span RCC culvert near the shop of Sh. Kamal Singh at village Salehar near Junction of road from Salehar to Garore Nallah road. (under Non plan for the year 2024-25)	PWD (R&B) Division R.S. Pura	4.92	600	9840 (2% of the Advertised Cost)	02 Months	(1400 Hrs) on or after 11-01-2025	"A", "B", "C" & "D" Class

Position of AAA :- Accorded by Superintending Engineer PWD(R&B) Circle South, Jammu's vide order No: 86 of 2024 Dated: 13/08/2024
Position of TS :- Accorded.
Project Authority:- Chief Engineer PW(R&B) Department Zone Jammu
Major Head of Account :- Under Non Plan

The Bidding documents Consisting of qualifying information, eligibility criteria, specifications, Drawings, bill of quantities (B.O.Q), Set of terms and conditions of contract and other details can be seen/downloaded from the departmental website http://jktenders.gov.in as per below schedule :

1	Date of Issue of Tender Notice	03-01-2025
2	Period of downloading of bidding documents	From 03-01-2024 to 10-01-2025, 1800 Hrs
3	Date, Time and place of pre-bid meeting	04-01-2025 at 1300 Hrs. in the Office of Executive Engineer PWD (R&B) Division R.S.Pura, Jammu
4	Bid submission Start Date	03-01-2025
5	Bid Submission End Date	10-01-2025 upto 1800 Hrs
6	Date & time of opening of Technical Bids (Online)	11-01-2025 on or after 1400 Hrs in the Office of Executive Engineer PWD (R&B) Division R.S.Pura Jammu
7	Date & time of opening of Financial Bids (Online)	To be notified after technical bid evaluation is completed

1. Bids must be accompanied with cost of Tender document in shape of Treasury Receipt/e-challan in favour of Executive Engineer PWD(R&B) Division R S Pura through Treasury, indicating Treasury Voucher No. & date, e-NIT No. and name of work duly crediting to 0059 (Revenue) and Earnest money/Bid security in shape of CDR/FDR/BG pledged to Office of Executive Engineer PWD (R&B) Division R.S. Pura. The CDR/FDR/BG shall be valid for 45 Days beyond the bid validity period. (The date of Treasury Challan, Earnest Money/Bid Security must be between the date of start of bid and Bid Submission End Date). The original instruments in respect of cost of documents, EMD and relevant documents of L1 be submitted to the Office of Executive Engineer PWD (R&B) Division R.S. Pura at the time of allotment.

No :- Dated :-

DIP/J-8927/24
Dtd:4-1-2025

Sd/-
Executive Engineer
PWD (R&B) Division
R.S. Pura

सद्गुरु मधुपरमहंस जी महाराज ने विज्ञान और तत्वों के गूढ़ रहस्यों को उजागर किया

जम्मू, 5 जनवरी (हि.स.)। साहिब बंदगी के सद्गुरु मधुपरमहंस जी महाराज ने रविवार अखनूर, जम्मू में अपने प्रवचनों की अमृत वर्षा से संगत को निहाल करते हुए कहा कि वैज्ञानिक, बुद्धिजीवी, संत, महात्मा सबने संसार को नाशवान बोल दिया है। संसार है ही नाशवान। पर लगता सत्य है। जल का आधार आग है। इसलिए कहते हैं कि जल जल रहा है। आग की उत्पत्ति वायु से है। वायु कहाँ से आई। वायु है क्या। वायु तो दो गैसों का मिश्रण है। वायु का आधार आकाश तत्व है। ये पाँच तत्वों को भौतिक तत्व कहते हैं। पृथ्वी तत्व का रंग पीला है। इसकी चाल है गोल। इसका स्वाद है मीठा। पाँचों तत्वों का स्वाद भी है। चाल भी है और रंग भी है। आप देखो कि बच्चे मिट्टी खाते हैं। मिट्टी में भी एक स्वाद है। मिट्टी सारे बच्चे खाते हैं। इस तरह पानी का रंग सफेद है। पानी का स्वाद खारा है।

वैज्ञानिकों की एक सीमा है। वो जल के लिए कहते हैं कि जल रंगहीन, स्वादहीन, गंदहीन है। मैं सिद्ध करता हूँ। वैज्ञानिक यहाँ गलत हैं। आपके सामने एक शरबत रखा जाए, एक दूध रखा जाए और एक पानी रखा जाए, एक डीजल रखा जाए। आपको कहा जाए कि पहचानो कि इसमें पानी कौन सा है। तो क्या आप नहीं पहचान पायेंगे। इसका मतलब रंग है। उसी से पहचाना। मैं सिद्ध करता हूँ कि पानी में स्वाद भी है। इसका स्वाद खारा है। आपकी आँख बंद कर दी जाए। दूध पिलाया जाए तो स्वाद से जान जाते हैं कि दूध है। छाछ पिलाई जाए तो जान जाते हैं कि छाछ है। क्योंकि उसका अपना स्वाद है। सूप पिलाया जाए तो जान जाते हैं कि सूप है। आपकी आँखों में तो पट्टी थी। फिर कैसे जाना। स्वाद से ही तो जाना न। इस तरह पानी पिलाया जाए तो जान जाते हैं कि यह पानी है। इसका मतलब स्वाद है। इस तरह वायु का रंग हरा है और इसका स्वाद खट्टा है। कुछ लोग यात्रा करते हैं तो उलटी आती है। गैस बन गयी ज्यादा। उलटी खट्टी होती है। कुछ लोग कहत हैं कि खट्टी ढकारें आती हैं। यह वायु का स्वाद है।

आकाश का रंग काला है। वैज्ञानिक लोग बहुत ठीक कह रहे हैं कि इस सृजन का आधार ही ब्लैक मैटर है। यह तो आपको सूर्य के कारण से रोशनी मिल रही है। अभी भी अँधकार है। जब सूर्य उगा हुआ है तभी भी अँधकार है। हम सब अँधकार के अन्दर रहते हैं। रात में आप टार्च जलाते हैं तो थोड़ी रोशनी दिखती है। क्योंकि रोशनी की किरणें कुछ जगह पड़ीं तो उन्होंने अँधकार को ढक दिया। था अँधकार ही। इस तरह 90 प्रतिशत इस ब्रह्माण्ड में अँधकार है।

सेना ने भूतपूर्व सैनिकों की रैली आयोजित की

किश्तवाड़, 5 जनवरी (हि.स.)। अपने सेवानिवृत्त सैनिकों के समुदाय से फिर से जुड़ने की एक उल्लेखनीय पहल करते हुए भारतीय सेना ने किश्तवाड़ के दुल में भूतपूर्व सैनिकों की रैली आयोजित की।

ब्रिगेडियर जय भगवान सिंह राठी, कमांडर, 5 सेक्ट असम राइफल्स की मौजूदगी में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य भारतीय सेना और उसके सेवानिवृत्त कर्मियों के बीच संबंधों को मजबूत करना था साथ ही उनकी चिंताओं और कल्याण संबंधी जरूरतों को संबोधित करना था। रैली ने क्षेत्र के भूतपूर्व सैनिकों, वीर नारियों और विधवाओं को अपनी शिकायतें व्यक्त करने और विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए एक मंच प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

इस कार्यक्रम ने भारतीय सेना की अपने विस्तारित परिवार की भलाई के लिए निरंतर प्रतिबद्धता को भी प्रदर्शित किया। इस कार्यक्रम में पूरे क्षेत्र के भूतपूर्व सैनिकों, वीर नारियों और विधवाओं की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखी गई। उन्होंने अपनी जरूरतों को पूरा करने और अपनेपन की भावना को बढ़ावा देने में भारतीय सेना के प्रयासों के लिए आभार व्यक्त किया।

ब्रिगेडियर जय भगवान सिंह राठी ने रैली को संबोधित करते हुए इस बात पर जोर दिया कि भारतीय सेना का अपने दिग्गजों और उनके परिवारों के साथ अटूट रिश्ता है। यह रैली उनके कल्याण के प्रति हमारी अटूट प्रतिबद्धता का प्रमाण है, यह सुनिश्चित करते हुए कि उन्हें वह सम्मान और समर्थन मिले जिसके वे वास्तव में हकदार हैं। रैली ने भारतीय सेना और उसके दिग्गज समुदाय के बीच की खाई को सफलतापूर्वक पाट दिया जिससे संवाद और समर्थन के लिए एक मंच तैयार हुआ। उपस्थित लोगों से मिली सकारात्मक प्रतिक्रिया ने पहल की प्रभावशीलता को रेखांकित किया जिसमें कई लोगों ने ऐसे आयोजनों के लिए भारतीय सेना को धन्यवाद दिया।

संपादकीय

बयानबाजी के विपरीत हकीकत

मीडिया में प्रकाशित रिपोर्टों ने कुछ ऐसे तथ्य उजागर किए हैं, जो जम्मू-कश्मीर के लोगों को निराश करेंगे, जो पूरी तरह से मानते हैं कि केंद्र सरकार ने क्षेत्र में भ्रष्टाचार को जड़ से खत्म करने के बारे में जो प्रसारित किया था, वह पूरी तरह से सच है क्योंकि कथित तौर पर जम्मू-कश्मीर की प्रतिष्ठित जांच एजेंसी एसीबी द्वारा की गई जांच में लोगों को बताने के लिए कुछ विपरीत है।

यह सभी जानते हैं कि अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के कदम के बाद केंद्र यह दावा करते नहीं थकता कि उसने देश के सबसे भ्रष्ट राज्यों में से एक जम्मू-कश्मीर से भ्रष्टाचार को खत्म कर दिया है, और उसके प्रतिनिधियों द्वारा बयानबाजी चाहे वह तत्कालीन एलजी हों या अन्य, लोगों को यह विश्वास दिलाने के लिए इस्तेमाल की गई कि अगस्त 2019 के बाद, जम्मू-कश्मीर में भ्रष्टाचार अतीत की बात हो गई है।

हालांकि उस समय और अब भी इस कथन को मानने वाले कई लोग थे, लेकिन एसीबी की जांच से राज खुल गया है, क्योंकि अनुच्छेद 370 को अमान्य घोषित करने के सात महीने से भी कम समय में, कथित तौर पर जम्मू-कश्मीर प्रशासन के अज्ञात अधिकारियों ने कथित तौर पर एक भर्ती फर्म को अवैध रूप से काम पर रखा और बाद में अग्निशमन और आपातकालीन सेवा विभाग में फोरआर्म और फायरमैन ड्राइवरों के रूप में चयनित 690 उम्मीदवारों की सूची तैयार की, जिससे केंद्र और यहां तक ??कि उसी जम्मू-कश्मीर प्रशासन के भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस दिखाने और 2019 में इसे विभाजित करने और केंद्र शासित प्रदेश में डाउनग्रेड करने के बाद क्षेत्र को भ्रष्टाचार से मुक्त करने के दावों पर कई सवाल खड़े हो गए।

यह उल्लेख करना उचित है कि यूटी में भ्रष्टाचार के कई मामले सामने आए हैं, जिसमें जेकेपी में एसआई जैसे भर्ती घोटाले आदि शामिल हैं, जो जम्मू-कश्मीर के यूटी बनने और केंद्र सरकार के सीधे नियंत्रण में आने के बाद हुए हैं।

अग्निशमन एवं आपातकालीन विभाग में उक्त उम्मीदवारों की भर्ती में भ्रष्टाचार के ताजा मामले की शुरूआत में जम्मू-कश्मीर के सामान्य प्रशासन विभाग ने जांच की थी, जिसने इस साल 24 जुलाई को एसीबी को अपनी रिपोर्ट सौंपी थी। चूंकि एसीबी ने इस संबंध में मामला दर्ज कर लिया है, इसलिए पूरी जांच के बाद ही चीजें सामने आएंगी, लेकिन देखने वाली बात यह है कि भ्रष्टाचार अभी भी जम्मू-कश्मीर में एक बड़ा मुद्दा है, क्योंकि भ्रष्टाचार को खत्म करने के बारे में फैलाई जा रही कहानी सच होने के बजाय जोड़-तोड़ वाली लगती है।

भारत के डिजिटल भविष्य का नया स्वरुप- डेटा सुरक्षा के लिए नागरिक-केंद्रित दृष्टिकोण

श्री अश्विनी वैष्णव

जब हम वैश्विक भविष्य के बारे में बात करते हैं, तो मानव-केंद्रित दृष्टिकोण सबसे महत्वपूर्ण होना चाहिए। हाल ही में संयुक्त राष्ट्र के भविष्य के शिखर सम्मेलन में हमारे माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के ये शब्द, लोगों को पहले रखने के भारत के दृष्टिकोण को दर्शाते हैं। इस दर्शन ने डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण (डीपीडीपी) नियम, 2025 के मसौदे को आकार देने में हमारे प्रयासों का मार्गदर्शन किया है। अंतिम रूप दिए जाने के बाद, डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण अधिनियम, 2023 को लागू हो जाएगा, जो नागरिकों के व्यक्तिगत डेटा सुरक्षा के अधिकार की रक्षा के लिए हमारी प्रतिबद्धता को रेखांकित करेगा।

सशक्तिकरण का एक नया युग

भारतीय नागरिक डीपीडीपी नियम, 2025 के केंद्र में है। डेटा के बढ़ते वर्चस्व वाली दुनिया में, हमारा मानना है कि व्यक्तियों को शासन की रूपरेखा के केंद्र में रखना अनिवार्य है। ये नियम नागरिकों को कई अधिकारों से सशक्त बनाते हैं, जैसे सूचना आधारित सहमति, डेटा मिटाने की सुविधा और डिजिटल रूप में नामांकित व्यक्ति को नियुक्त करने की क्षमता, आदि। नागरिक अब उल्लंघनों या अनधिकृत डेटा उपयोग के सामने असहाय महसूस नहीं करेंगे। उनके पास अपनी डिजिटल पहचान को प्रभावी ढंग से सुरक्षित और प्रबंधित करने के लिए उपकरण होंगे।

नियमों को सरलता और स्पष्टता के साथ तैयार किया गया है, यह सुनिश्चित किया गया है कि प्रत्येक भारतीय, चाहे उनके पास तकनीकी ज्ञान कुछ भी हो, अपने अधिकारों को समझ सकता है और उनका प्रयोग कर सकता है। सहमति स्पष्ट शब्दों में मांगी जाती है तथा नागरिकों को अंग्रेजी या संविधान में सूचीबद्ध 22 भारतीय भाषाओं में से किसी में भी जानकारी प्रदान करना अनिवार्य किया गया है, यह रूपरेखा समावेशिता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

बचों की सुरक्षा

डिजिटल युग में बचों को विशेष देखभाल की आवश्यकता है। इसे मान्यता देते हुए, नियम नाबालिगों के व्यक्तिगत डेटा को संसाधित करने के लिए माता-पिता या अभिभावक की सत्यापन योग्य सहमति को अनिवार्य बनाते हैं। अतिरिक्त सुरक्षा उपाय बचों को शोषण, अनधिकृत प्रोफाइल बनाने और अन्य डिजिटल नुकसान से बचाव सुनिश्चित करते हैं। ये प्रावधान भविष्य की पीढ़ी के लिए एक सुरक्षित डिजिटल परिदृश्य बनाने के प्रति हमारे समर्पण को दर्शाते हैं।

भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था एक वैश्विक सफलता की गाथा रही है और हम इस गति को बनाए रखने के प्रति दृढ़ हैं। हमारी रूपरेखा, डिजिटल अर्थव्यवस्था में नवाचार को सक्षम करते हुए नागरिकों के लिए व्यक्तिगत डेटा सुरक्षा सुनिश्चित करती है। विनियमन पर बहुत अधिक जोर देने वाले कुछ अंतरराष्ट्रीय प्रारूपों के विपरीत, हमारा दृष्टिकोण व्यावहारिक और विकासोन्मुखी है। यह संतुलन सुनिश्चित करता है कि नागरिकों की सुरक्षा की जाए और नवाचार भावना को दबाया न जाए, जो हमारे स्टार्टअप और व्यवसायों को प्रेरित करती है।

छोटे व्यवसायों और स्टार्टअप के लिए अनुपालन बोझ कम हो जाएगा। हितधारकों की अलग-अलग क्षमताओं को ध्यान में रखते हुए, नियमों को वर्गीकृत जिम्मेदारियों के साथ डिज़ाइन किया गया है। डेटा विश्वास के मूल्यांकन के आधार पर, बड़ी कंपनियों के पास उच दायित्व होंगे, जो विकास को बाधित किए बिना जवाबदेही सुनिश्चित करेंगे।

डिजिटल-प्रथम दर्शन

इन नियमों के मूल में डिजाइन से डिजिटल दर्शन है। डेटा सुरक्षा बोर्ड मुख्य रूप से एक डिजिटल कार्यालय के रूप में कार्य करेगा, जिसे शिकायतों का समाधान करने और अनुपालन लागू करने का काम सौंपा गया है। प्रौद्योगिकी का लाभ उठाकर, हम दक्षता, पारदर्शिता और गति सुनिश्चित करते हैं। नागरिक शारीरिक उपस्थिति के बिना भी शिकायत दर्ज कर सकते हैं, प्रगति की निगरानी कर सकते हैं और समाधान प्राप्त कर सकते हैं।

यह डिजिटल-प्रथम दृष्टिकोण सहमति व्यवस्था और डेटा प्रबंधन कार्य तक फैला हुआ है। प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करके, हम बड़ी कंपनियों के लिए अनुपालन करना और नागरिकों के लिए जुड़ना आसान बनाते हैं, जिससे प्रणाली में विश्वास बढ़ता है।

समावेशी दृष्टिकोण

इन नियमों की यात्रा उनके अभिप्राय जितनी ही समावेशी रही है। डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण अधिनियम, 2023 के सिद्धांतों पर आधारित, मसौदा नियम विभिन्न हितधारकों से एकत्र किए गए व्यापक इनपुट और वैश्विक सर्वोत्तम तौर-तरीकों के अध्ययन का परिणाम है।

नागरिकों, व्यवसायों और नागरिक समाज से प्रतिक्रिया और सुझाव आमंत्रित करते हुए, हमने सार्वजनिक परामर्श के लिए 45-दिनों की अवधि निर्धारित की है। यह जुड़ाव सामूहिक ज्ञान और भागीदारीपूर्ण नीति निर्माण के महत्व में हमारे विश्वास का प्रमाण है, जबकि यह सुनिश्चित करना है कि यह व्यवस्था न केवल मजबूत हो, बल्कि हमारे सामाजिक-आर्थिक परिदृश्य की अनूठी चुनौतियों के अनुकूल भी हो।

यह सुनिश्चित करने के लिए कि नागरिक अपने अधिकारों और जिम्मेदारियों के बारे में जागरूक हैं, नागरिकों को उनके व्यक्तिगत डेटा से जुड़े अधिकारों के बारे में शिक्षित करने के लिए व्यापक जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

इन नियमों की शुरुआत के साथ, हम न केवल वर्तमान चुनौतियों का समाधान कर रहे हैं बल्कि एक सुरक्षित और अभि डिजिटल भविष्य की आधारशि भी रख रहे हैं। डिजिटल व्यक्ति डेटा संरक्षण नियम, 2025 मसौदा वैश्विक डेटा शास मानदंडों को आकार देने में भा के नेतृत्व को प्रतिबिंबित करता नागरिकों को केंद्र में रखते हु नवाचार के लिए अनुकू वातावरण को बढ़ावा देकर, ह एक मिसाल कायम कर रहे जिसका दुनिया अनुसरण क सकती है। हमारी प्रतिबद्ध स्पष्ट है- इस डिजिटल युग प्रत्येक भारतीय को सुरक्षि सशक्त और सक्षम बनाना। प्रत्येक नागरिक, व्यवसाय अ नागरिक समाज समूह को पराम अवधि के दौरान टिप्पणियाँ अ सुझाव साझा करके इस संवाद भाग लेने के लिए प्रोत्साहित कर हूँ। आइए हम सब मिलकर इ नियमों को परिष्कृत करें ता एक ऐसी व्यवस्था तैयार हो सक जो वास्तव में एक सुरक्षि समावेशी और संपन्न डिजिट भारत की आकांक्षाओं क प्रतिनिधित्व करती हो।

लेखक केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक और सूचना प्रौद्योगिकी, सूच और प्रसारण तथा रेलवे मंत्री हैं।

(पुण्यतिथि विशेष/भारतेन्दु हरिश्चन्द्र) साहित्यिक जागरण के अग्रदूत

रमेश शर्मा

अंग्रेजी राज से भारत की मुक्ति के लिए एक ओर सशस्त्र और अहिंसक आंदोलन हुए, वहीं सामाजिक और साहित्यिक जागरण के अभियान भी चले। भारतेन्दु हरिश्चन्द्र ऐसे साहित्यकार थे, जिन्होंने 1857 की क्रांति की विफलता के बाद समाज का मनोबल बढ़ाने के लिए हिन्दी जागरण का अभियान चलाया । परिवार ने उनका नाम हरिश्चन्द्र ही रखा था। साहित्य की अद्भुत साधना के लिए उन्हें भारतेन्दु अर्थात भारत का चन्द्र उपाधि से विभूषित किया गया । उन्होंने अपने सम्मान को नाम के आगे लिखा और भारतेन्दु हरिश्चन्द्र के नाम से प्रसिद्ध हुए। उन्होंने जब होश संभाला तब भारतीय समाज जीवन, हिन्दी साहित्य, और हिन्दी भाषा विषमता से गुजर रही थी । 1857 की क्रान्ति की विफलता के बाद समाज का मनोबल टूटा हुआ था । विदेशी लेखक ही नहीं अनेक भारतीय मनीषी भी अंग्रेजी में साहित्य रचना करने लगे थे।

ऐसे वातावरण में भारतेन्दु हरिश्चन्द्र ने होश संभाला। और स्वभाषा में रचना करने का अभियान चलाया । उन्होंने स्वयं भी अवधी, ब्रज भाषा और हिन्दी विशेषकर खड़ी बोली में साहित्य रचना आरंभ की अपितु अन्य लेखकों को भी प्रोत्साहित किया। साहित्य जगत के गरिमामय जिस स्थान पर आज हिन्दी खड़ी बोली प्रतिष्ठित है । इसमें भारतेन्दु हरिश्चन्द्र महत्वपूर्ण योगदान है । घर में साहित्य का वातावरण था। इसका प्रभाव उनके आंख खोलते ही पड़ा।

वे बचपन से तुकबंदी करके कविता करने लगे और आसपास घटी घटनाओं की कहानी बनाकर सुनाने लगे थे । सात वर्ष की आयु तक उनकी रचनाएं परिष्कृत होने लगीं थीं । ये रचनाएं उपलब्ध भी हैं।

उन्होंने गद्य, पद्य, कहानी और व्यंग्य ही नहीं, नाटक भी लिखे । उन्हें आधुनिक नाट्य रचना का पितामह कहा जाता है। उनकी रचनाओं में तत्कालीन सामाजिक परिस्थिति में समाज जीवन के वातावरण दासत्व एवं गरीबी का दर्द, शोषण की असहनीयता और पिछड़ेपन पर समाज का ध्यानाकर्षण है ।

उन्हें नव जागरण का कल्पनाकार भी माना जाता है । उनकी जीवन यात्रा कुल पैंतीस वर्ष रही । अपनी इस अल्पजीवन यात्रा में भारतेन्द ने संसार के सामने लगभग सभी साहित्य विधाओं पर इतनी रचनाएं की। इससे लगता है वे प्रकृति से अतिरिक्त प्रज्ञा लेकर संसार में आए थे । ऐसे विलक्षण और दूरदर्शी साहित्य विधा के पुरोधा पुरुष भारतेन्दु हरिश्चन्द्र का जन्म 09 सितंबर 1850 को उत्तर प्रदेश के बनारस में हुआ था । घर में बालक ने जन्म लिया तो परिवार ने नाम हरिश्चन्द्र रखा । आर्थिक रूप से उनके परिवार की पृष्ठभूमि बहुत समृद्ध थी । बनारस के प्रमुख धनी परिवारों में गणना होती थी। पिता गोपाल चन्द्र भी अपने समय के प्रसिद्ध कवि थे । घर में हिन्दी और साहित्य दोनों का वातावरण था । बालक हरिश्चन्द्र बचपन से ही बहुत कुशाग्र बुद्धि और कल्पनाशील थे । उनकी स्मरण शक्ति भी अद्भुत थी । जब पांच वर्ष के हुए तो माता का निधन हो गया । इनकी देखभाल दादी ने की । और जब दस वर्ष के हुए तो पिता का भी निधन हो गया ।

वे बालवय से ही कविता लेखन करने लगे थे । यह उनकी विलक्षण प्रतिभा ही थी कि वे किशोर वय में ही बाल विबोधिनी पत्रिका, हरिश्चंद्र पत्रिका और कविवचन सुधा पत्रिकाओं के संपादन से जुड़ गए थे ।

उन्होंने केवल 18 वर्ष की आयु में कवि वचन सुधा पत्रिका का प्रकाशन आरंभ कर दिया था । उस समय के भारत के ऐसे कोई प्रतिष्ठित विद्वान और साहित्यकार नहीं जिनकी रचनाएं इस पत्रिका में प्रकाशित न हुई हों। भारतेन्दु को भारत की विविध भाषाओं का ज्ञान था । इनमें अवधि, ब्रजभाषा, बंगला, मराठी, गुजराती, उर्दू और संस्कृत भाषा भी थी । उनका साहित्य लेखन लगभग सभी भाषाओं में हुआ । लेकिन हिन्दी खड़ी बोली और ब्रजभाषा में अधिक। उन्होंने केवल सत्रह वर्ष की आयु में बांग्ला भाषा के लोकप्रिय नाटक विद्या सुन्दर का खड़ी बोली में अनुवाद किया । इसका मंचन हुआ । फिर खड़ी बोली में स्वयं अपनी नाट्य रचनाएं भी आरंभ की । उनके नाटकों की कथावस्तु और पात्रों का चयन उनका अपना अनुभव होता था । वे बहुत संवेदनशील स्वभाव के थे । जो वो देखते थे वह घटनाक्रम उनके मष्तिष्क में स्थाई स्वरूप ले लेता था और वही नाटकों में रूपांतरित हो जाता था । इन नाटकों का भी मंचन हुआ ।

इसीलिए उन्हें हिन्दी थियेटर का पितामह भी कहा जाता है । उनकी साहित्य विधा से प्रभावित काशी के विद्वानों ने उन्हें भारतेन्दु की उपाधि से विभूषित किया । तब उनकी आयु मात्र तीस वर्ष की थी । साहित्य में उनके अद्भुत योगदान और उनसे प्रेरित तत्कालीन साहित्यकारों द्वारा रचित रचनाओं के कारण ही उनके जीवनकाल को भारतेन्दु युग के रूप से जाना जाता है। होश संभालते ही अपने जीवन के प्रत्येक क्षण हिन्दी साहित्य को समर्पित करने वाले भारते ने 06 जनवरी 1885 क अंतिम सांस ली।

उनकी रचनाओं विविधता है । इसमें भक्ति श्रृंगार और निर्वेग की रचन भी हैं। इनमें दोहा, चौपाई अ छंद भी हैं। उनकी भा परिष्कृत और शुद्ध है भारतेन्दु को स्वभाषा, अप परंपरा, विरासत और भा राष्ट्र के प्रति गहरी निष्ठा थी इसकी झलक उनकी साहि रचनाओं में है । वे सुधारवा थे। उनकी रचनाओं सामाजिक समस्याओं अ कुरीतियों के उन्मूलन का स संदेश है । उन्होंने अपने जीव काल में कुल 72 ग्रंथों क रचना की । उनकी प्रत्ये रचना कालजयी है । यद्य भारतेन्दु का रचना संस लगभग सभी भाषाओं में फिर भी ब्रजभाषा में उनक रचनाएं असाधारण हैं। इ रचनाओं में अदभुत श्रृंगार इनका साहित्य प्रेममय थ इनमें सप्त संग्रह और प्रे माधुरी प्रमुख रचना है।

(लेखक, स्वत टिप्पणीकार हैं।)

संविधान को संकीर्ण राजनीतिक लड़ाई का उपकरण न बनाएं

हृदयनारायण दीक्षित

संविधान के खात्मे को लेकर खासी बहस चली है। भारत का संविधान अनूठा है, अद्वितीय है। यह देश का राजधर्म है। इस संविधान में अनेक लोकतांत्रिक संस्थाएं हैं। सबकी अपनी सीमा है। यह सीमा भी संविधान निर्देशित है। सभी संवैधानिक संस्थाओं का स्रोत संविधान है। विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका की शक्तियां भी संविधान प्रदत्त हैं। संविधान निर्माता भविष्य के भारत के प्रति सजग थे। उन्होंने गहन विमर्श के बाद संविधान बनाया। परस्पर विचार विमर्श अच्छी बात है, लेकिन संविधान को समाप्त करने का दुष्प्रचार करने का विपक्षी दलों का निर्णय अनुचित है। लोकसभा चुनाव के समय संविधान को खत्म करने और बदलने का शोर मचाया गया। विपक्षी दल लगातार आरोप लगाते रहे कि केन्द्रीय सत्ता संविधान के खात्मे पर उतारू है। संविधान समाप्ति जैसी कोई योजना कभी प्रकाश में नहीं आई। न विचार में, न कर्म में और न ही लेखन सहित अन्य अभिव्यक्तियों में भी। संविधान को खत्म करने की अफवाह देश के कोने कोने तक पहुंची। शिक्षित लोग सन्न थे कि संविधान के खात्मे की बात कहां से आई? संसद में विपक्ष के नेता राहुल गांधी संविधान की किताब लेकर फोटो खिंचवा रहे थे।

मजेदार बात है कि संविधान खत्म किए जाने की सूचना संभवत: सबसे पहले उनको ही प्राप्त हुई। यह झूठ देश के मानस में बार-बार आ रहा है। संविधान के खात्मे का दुष्प्रचार करने वाले व्यक्ति/दल/समूह नितांत झूठ का सहारा ले रहे हैं। संविधान बदलने का सबसे बड़ा दुस्साहस 1976 में अधिनियमित 42वें संविधान संशोधन में कांग्रेस ने किया था। दुर्भाग्य से इस संविधान के खात्मे का विषय ठीक से जानने वाले लोगों की संख्या कम है।

संसद और विधान मण्डल और न्यायालयों की बहसों में संविधान की सर्वोपरिता है। संविधान की उद्देशिका में राष्ट्रजीवन के लक्ष्य हैं। उद्देशिका में उल्लिखित भारत को सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास और धर्म उपासना की स्वतंत्रता, अवसर की समता प्राप्त कराना मुख्य उद्देश्य है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने तमाम निर्णयों में उद्देशिका के महत्व और उपयोगिता की चर्चा की है। बेशक संविधान के अन्य प्रावधानों की तरह उद्देशिका को न्यायालय द्वारा प्रवर्तित नहीं किया जा सकता। लेकिन न्यायालयों के कई निर्णयों में यह शासन का मुख्य घटक है।

उद्देशिका 'हम भारत के लोग' से शुरू होती है। संविधान सभा को मिली शक्ति भारत के लोगों द्वारा ही अर्जित है। कुछ राजनीतिक दल जाति और मजहब के आधार पर राजनीतिक समूह या संगठन चलाते हैं। इस प्रकार के दलों द्वारा समाज तोड़ने वाले शब्द चलाए जाते हैं। इनकी बात माने तो संविधान की उद्देशिका में लिखा जाता कि भारत जाति पाति आदि कई संकीर्णताओं में लिप्त है। इसे 'भारत के लोग' कहना बेकार है। वे कहते हैं कि यहां की जनता केवल कुछ समूहों का गठजोड़ है। जबकि संविधान रचना का उद्देश्य और कारण सुस्पष्ट हैं। प्रत्येक भारतवासी उद्देशिका के अनुरूप 'हम भारत के लोग' का हिस्सा है। भारत हजारों वर्ष पहले भी एक राष्ट्र था। वैदिक काल से लेकर आधुनिक काल तक भारत की एक संस्कृति है। इस संस्कृति के कारण ही हम भारत के लोग एक सशक्त राष्ट्र हैं। डॉ. आम्बेडकर ने लिखा है कि, यह बात ठीक है कि भारतवासी परस्पर लड़ते झगड़ते रहते हैं। किन्तु संस्कृति के कारण भारत एक राष्ट्र है। संविधान रचना के उद्देश्य स्पष्ट हैं। पंडित जवाहरलाल नेहरू ने संविधान सभा में उद्देश्य और संकल्प का प्रस्ताव रखा था। संकल्प के अनुसार, प्रभुत्व संपन्न स्वतंत्र भारत की सभी शक्तियां और प्राधिकार उसके संगठक भाग शासन के सभी अंग आम जनों से उत्पन्न हैं।

संकल्प के अनुसार भारत की जनता को सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, प्रतिष्ठा और अवसर की तथा विधि के समक्ष समता, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और संगठन बनाने आदि कार्यों की विधि के अधीन स्वतंत्रता होगी। आगे कहा है कि, राज्य क्षेत्र की अखण्डता, भूमि, समुद्र और आकाश पर उसके प्रभुत्वसंपन्न अधिकार, न्याय और अन्य राष्ट्रों की विधि के अनुसार बनाए रखे जाएंगे। संकल्प के अंतिम आठवें प्रावधान में लिखा है, यह प्राचीन भूमि विश्व में अपना समुचित और गौरवपूर्ण स्थान प्राप्त करेगी, और विश्व शांति तथा मानव कल्याण के लिए स्वेच्छा से अपना पूर्ण सहयोग प्रदान करेगी। संकल्प में उल्लिखित प्राचीन भूमि का अर्थ क्या हो सकता है? सारी दुनिया की भूमि प्राचीन है। भारत के अर्थ में प्राचीन भूमि का अर्थ प्राचीन संस्कृति होना चाहिए। संविधान निर्माताओं ने भारत को संपूर्ण प्रभुत्व संपन्न राष्ट्र बताया है।

स्वाधीनता मिलने तक भारत राष्ट्रकुल का सदस्य था। इंग्लैंड के सम्राट के अधीन राष्ट्रमण्डल में भारत के बने रहने पर आलोचना हुई। प्रत्यक्ष रूप में यह निर्णय उचित नहीं था। सभा में प्रधानमंत्री नेहरू को स्पष्टीकरण देना पड़ा। आखिरकार एक संप्रभु राष्ट्र इंग्लैंड के राजा रानी के प्रति निष्ठा कैसे रख सकता है? आयरलैंड ने रिपब्लिक आफ आयरलैंड एक्ट बनाकर अपने आप को इंग्लैंड से पृथक कर लिया। आलोचनाओं के बाद कहा गया कि भारत में सम्राट के प्रति निष्ठा स्वीकार्य नहीं है। यह निर्णय प्रधानमंत्रियों के सम्मेलन में लिया गया। प्रधानमंत्री ने घोषणा की कि, प्रभुत्व संपन्न गणराज्य बन जाने के पश्चात भी भारत राष्ट्रकुल का पूर्ण सदस्य बना रहेगा।

लोकमंगल भारत के राष्ट्रजीवन का लक्ष्य रहा है। अनेक महत्वपूर्ण विषय ऐसे भी थे जो संविधान सभा में अंतिम निर्णय तक पारित नहीं किए जा सके। संविधान सभा ने उन महत्वपूर्ण विषयों को भी संविधान में जगह दी। उन्हें राज्य का नीति निदेशक तत्व कहा है। संविधान के नीति निदेशक तत्वों (भाग चार-अनुच्छेद 36 से 51) में ऐसे उपयोगी उद्देश्य रखे गए हैं। संविधान में कहा गया है कि प्रशासन और विधि के निर्माण में इन सिद्धांतों का अनुसरण किया जाए। गोवंश का संरक्षण भी ऐसा ही नीति निदेशक तत्व है। बच्चों को निशुल्क शिक्षा प्राप्त कराने का लक्ष्य भी नीति निदेशक तत्वों में है। शक्ति के पृथक्करण के सिद्धांत भी सम्मिलित हैं। संविधान निर्माताओं की क्षमता भी अद्भुत थी। नीति निदेशक तत्व किसी न्यायालय द्वारा प्रवर्तित नहीं हैं। वे किसी को सुभाषित लग सकते हैं, लेकिन वस्तुत: सबके लिए मार्गदर्शी हैं। संविधान में राष्ट्रजीवन के सभी मूलभूत विशेषताओं का उल्लेख है। सम्प्रति संविधान के बदलने को लेकर झ अफवाहें हैं।

संविधान निर्माता जानते थे नई राष्ट्रीय आवश्यकताओं अनुरूप काम करना कठिन होग इसलिए उन्होंने संविधान संविधान संशोधन का भी स उल्लेख कर दिया। अमेरिका संविधान संशोधन की विधि सापेक्ष भारत में संविधान संशोध की विधि उदार है। इसीलिए भिन्न भिन्न अवसरों पर अनेक संविध संशोधन हुए हैं। अधिक राजनीतिक कार्यकर्ता भी संविध से नहीं जुड़ते। सामान्य बोलचाल युवा प्रश्न करते हैं कि अमेरिका न्यायपालिका का शासन चलता और ब्रिटेन में संसद का तो भारत किसका शासन चलता है? इस सीधा उत्तर है कि भारत में संविध का शासन है। संविधान सगुण और निर्गुण भी। सगुण में रूप अ चेहरा देखा जाना चाहिए अ निर्गुण में आंतरिक भाव। संविध के पक्ष में खड़े होना भक्ति भाव अध्यात्म भाव है और सगु उपासना है। संविधान के एक-ए वाक्य पर निष्ठा रखना, उ अंत:करण में जगह देना निर्गुण कृपया, संविधान को संकी राजनीतिक लड़ाई का उपकरण बनाएं।

(लेखक, उत्तर प्रदे विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष हैं।)

ऐसे करें बालों को सीधा

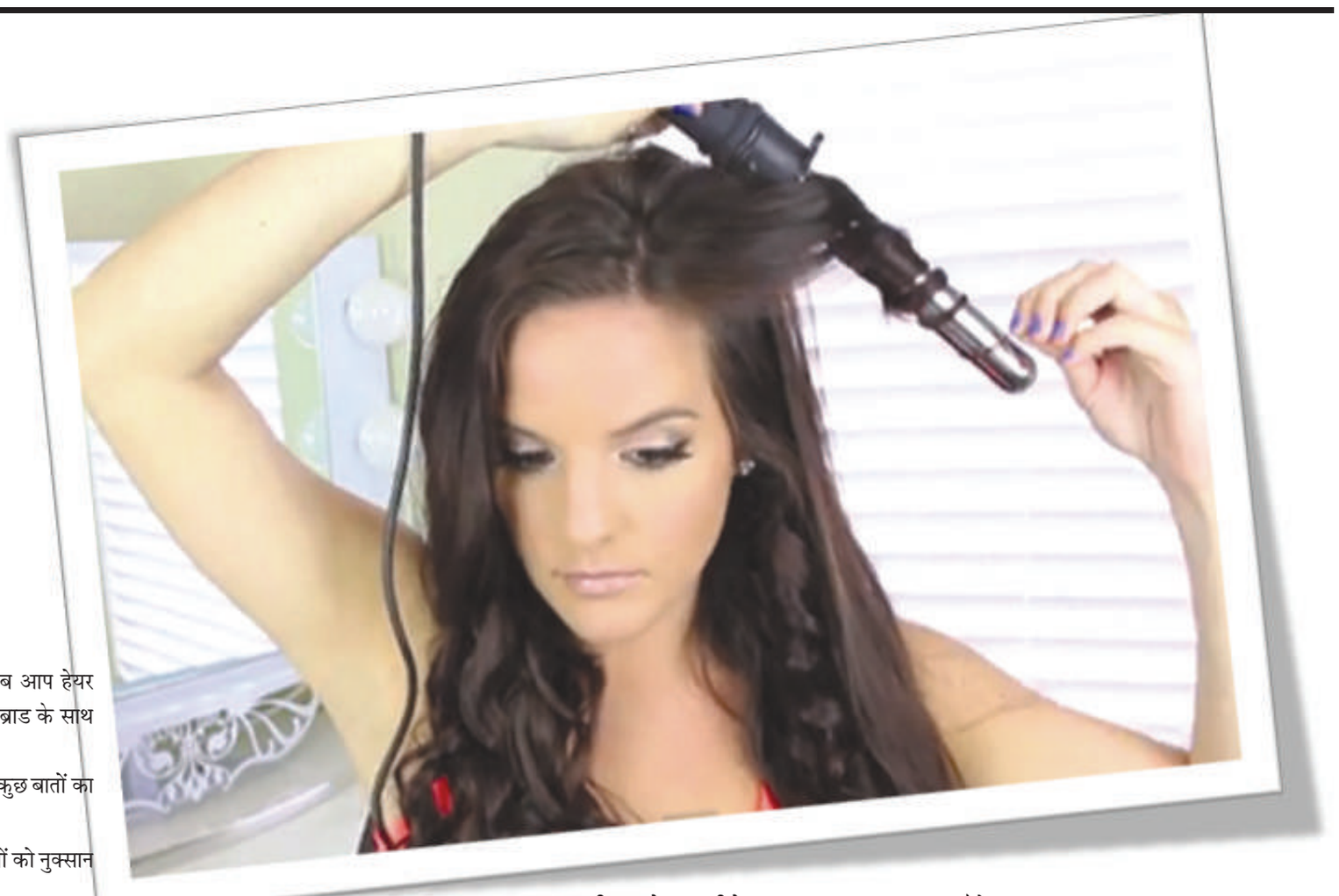

आज सीधे बालों का ट्रेंड सा चल गया है। जिनके बाल सीधे ना होकर घुंघराले या लहरदार हैं और वो अपने बालों को सीधा करना चाहते है। आप भी अपने बालों को अस्थायी रूप से सीधा कर सकते हैं, जो कुछ समय तक सीधे रह सकते है। कुछ स्थायी तकनीक अपनाकर आप अपने बालों को लगभग साल भर के लिए सीधा रख सकते हैं। अगर आप अपने बालों को किसी विशेष मौके के लिए सीधे करना चाहते हैं, तो अस्थायी रूप का इस्तेमाल कर सकते है। उदाहरण के लिए विवाह या कोई डिन्नर पार्टी। बालों को स्थायी रूप से सीधा करना बहुत महंगा होता है। यह केवल उन लोगों के लिए हैं जो हमेशा के लिए अपने बाल सीधे रखना चाहते है।

बालों को अस्थायी रूप से सीधा करना

विशेष प्रकार के आयरन के प्रयोग से बालों को अस्थायी रूप से सीधा या स्ट्रेटन किया जा सकता है। इसके लिए सेरेमिक का प्रयोग किया जाता है, क्योंकि यह सेरेमिक बालों को गर्मी के नुकसान से बचाता है। जब आप हेयर स्ट्रेटनिंग के लिए खरीदारी करें तो जाने माने ब्राड के साथ तापमान को नियंत्रित करने वाले स्ट्रेटेनर ही लें।

जब आप हेयर स्ट्रेटनर का प्रयोग करें तो आप कुछ बातों का ध्यान रखें।

- हेयर स्ट्रेटनर का ज्यादा तापमान रखकर बालों को नुक्सान ना पहुंचाएं।
- बिजली के झटके से बचाने के लिए आपको बालों के सूखने के बाद ही हेयर स्ट्रेटनिंग करनी चाहिए।
- जब भी आप बालों पर किसी गर्म उपकरण का उपयोग करें तो बालों को पहले अच्छी तरह कंडीशनिंग कर लें।

सरलता से हेयर स्ट्रेटनर का उपयोग करने के लिए बालों के ऊपर की सतह को किसी काटे से ऊपर अटका लें। जड़ों से आरम्भ करते हुए, नीचे के हिस्से के बालों को लें, फिर आयरन को बालों की पूरी लम्बाई पर प्रयोग करें। जब ऊपर के बालों पर आयरन हो जाए तो दूसरे काटें में लगे बालों को निकाल लें और उन्हें सीधा करें, फिर ब्रश कर लें।

स्थायी रूप से बाल सीधे करना

यदि आप स्थायी रूप से बाल सीधे करना चाहती हैं तो कुछ रसायन या रेलेक्ज़र का प्रयोग करना होगा। ये बालों को जला कर उन्हें नुकसान पहुंचा सकते हैं। इस कारण अधिकतर विशेषज्ञ इस उपचार को अपने आप घर में करने की तुलना में किसी सलोन में करने की सलाह देते हैं। इसके लिए किसी च्छे पार्लर में ही जायें ।

बालों को स्थायी रूप से सीधा करने के लिए कुछ इस प्रकार के रसायन का प्रयोग किया जाता है।

जैसे-

सोडीअम हाइड्राक्सासइड

अमोनीयम थायोग्ला इकोलाइट

बालों को सीधा करने के लिए कई और प्रकार के रसायन का प्रयोग किया जाता है। इसे शैम्पू से आसानी से धोया नहीं जा सकता और यह गर्म मौसम में निकल जाता है। इससे एलर्जी प्रतिक्त्रिया भी हो सकती है।

सावधानी

विभिन्न प्रकार के उपचार बालों को प्रभावित करते

चुनें सही शैंपू

बालों को स्वस्थ, चमकदार बनाने के लिए शैंपू का इस्तेमाल सबसे पहला कदम है। बाजार में तमाम किस्म के शैंपू उपलब्ध है, लेकिन क्या वाकई वे आपके बालों के लिए सही हैं? क्या कभी इस बात पर आपने ध्यान दिया? अगर नहीं तो अपने बालों की किस्म और जरूरत के मुताबिक कौन सा शैंपू आपको इस्तेमाल करना चाहिए जानें हेयर एक्सपर्ट जावेद हबीब से।

- अगर आप बालों को सुबह धोती है और दोपहर तक आपके बाल तैलीय नजर आते है तो इसका मतलब है कि आपके बाल तैलीय हैं। इसके लिए ऑयली हेयर के लिए बना शैंपू प्रयोग करे, क्योंकि इसमें अमोनियम लॉरिल सल्फेट की मात्रा ज्यादा होती है, जो आपके सिर की त्वचा से अतिरिक्त तेल को निकालने में मदद करता है।
- अगर आप बहुत सारे स्टाइलिंग प्रोडक्ट्स इस्तेमाल करती है तो आपको क्लैरिफाइंग शैंपू इस्तेमाल करना चाहिए। यह आपके बालों की डीप क्लींजिंग करता है और स्टाइलिंग प्रोडक्ट्स में इस्तेमाल किए गए केमिकल के असर को भी कम करता है।
- -कलर रिफ्रेशर शैंपू वेजटेबल डाई से बने होते है और आपके हेयर कलर को लंबे समय तक बरकरार रखने में मदद करते हैं। साथ ही जिस कलर का आपने हेयर कलर लगाया उसी रंग और शेड में उपलब्ध है। यह बालों को शाइन देने के लिए होते है।
- अगर आपने अभी-अभी हेयर कलर कराया है और आप उसकी चमक को बरकरार रखना चाहती है तो ऐसा शैंपू इस्तेमाल करे जिसमें अल्ट्रा वॉयलट फिल्टर्स हों और माइल्ड क्लींजिंग भी करे ताकि आपके बालों को सूर्य के प्रभाव से खराब होने से बचाने में भी मदद करे। साथ ही हेयर कलर फीका होने से भी बचाए। जागरण सखी

दिखें दूसरों से जुदा

कॉलेज में हर दिन दूसरी गर्ल्स से अलग दिखने की चाहत में गर्ल्स कर रही है खास तैयारी। कानपुर की कुछ एक्सपर्ट की टिप्स अपनाकर आप दिख सकती है दूसरों से जुदा..

स्कूलिंग से फ्री होकर कॉलेज का रुख करने वाली गर्ल्स के बीच इन दिनों खास तैयारिया चल रही है। अगर आप भी उनमें से एक है तो नई ड्रेस की शॉपिंग जरूर की होगी। दूसरी कॉलेज गोइग गर्ल्स की तरह ही आपको भी यह चिंता सता रही होगी कि हमारी जैसी ड्रेस और स्टाइल में कोई दूसरी गर्ल दिख गई तो मजा किरकिरा हो जाएगा। ऐसा मत सोचिए, डिफरेंट लुक पाने के अन्य विकल्प भी है।

साथ रखें स्टोल्स

धनकुट्टी स्थित श्रीकृष्णा बुटीक की फैशन डिजाइनर सारिका अग्रवाल सलाह देती है, अपने बैग में कलरफुल स्टोल्स रखें। यह ब्राइट कलर में होने चाहिए। इनका फायदा आपको तब मिलेगा जब कोई दूसरी गर्ल आप जैसी ही कुर्ती या टॉप पहने होगी। आप कलरफुल स्टोल कैरी कर अलग लुक दिखा सकती है। इन दिनों फ्लोरल प्रिंट हॉट है, इसलिए ब्लैक, यलो और पिंक स्टोल खरीदें।

जंक जूॅलि का जलवा

काशी ज्वैलर्स की जूॅलि डिजाइनर कृति बताती है, डिफरेंट लुक पाने का सिंपल ऑप्शन है जंक जूॅलि। पर्स में इसके दो-तीन ऑप्शन रखें। अगर आपकी जूॅलि किसी से मेल खाती है तो अपने पास रखे दूसरे ऑप्शन को ट्राय कर सकती है। अगर आपकी ड्रेस दूसरे से मैच खाती है तो भी यह काम की साबित होगी।

मेकअप हो कुछ खास

ब्यूटी एक्सपर्ट अंजली बिताती है, मेकअप में ब्राइट कलर्स से बचें। लाइट कलर को प्राथमिकता में रखें और नेचुरल लुक पाने की कोशिश करे। इन दिनों कॉलेज गोइग गर्ल्स के लिए आरेंज या फ्लोरोसेंट ग्रीन कलर इन है। कलर्स में आप इन्हे आजमाएं।

बोल्ड इमेज से बचें

कॅरियर काउसलर व पर्सनॉलिटी डेवलपमेंट एक्सपर्ट संजय मित्रा कहते है, कॉलेज में शुरु से ही बोल्ड इमेज बनाना ठीक नहीं है। ब्राइट कलर्स के शॉर्ट्स और कलरफुल कैप्री की जगह लाग स्कर्ट के ऑप्शन को फालो करे। ज्यादा बातें करना या हर मुद्दे पर तर्क रखना भी आपकी इमेज खराब करेगा। नए फ्रेंड्स से इतनी दूरी बनाकर रखें कि उनकी नजर में आपकी पर्सनॉलिटी औरों से जुदा रहे।

क्या खूब दिखती हो..

इसमें कोई शक नहीं कि इंसान की पहचान उसके काम और व्यवहार से बनती है, पर यह बात भी सही है कि सबसे पहले लोगों की नजर हमारे बाह्य व्यक्तित्व पर पड़ती है। इस लिहाज से अन्य बातों के साथ ही हमारा पहनावा भी समान रूप में मायने रखता है। यही नहीं, आत्मविश्वास जगाने में भी महत्वपूर्ण है पहनावा। जब ऐसा है तो क्यों न नई डिजाइन्स और पैटर्न के पहनावे को करें वार्डरोब में शामिल। इन दिनों फैशन में है पैरेलल सलवार-कुर्ता। वैसे सामान्य सफेद लेस से सजे कॉटन के प्रिंटेड पैरेलल सलवार-कुर्ते तो बाजार में आसानी से उपलब्ध हैं, पर आप चाहें तो खास मौकों के लिए डिजाइनर पैरेलल सलवार-कुर्ता विशेष रूप से तैयार करवा सकती हैं। इसके लिए कॉटन के बजाय शिफॉन या जॉर्जेट फैब्रिक चुनें और उसमें फ्रेंच शैंट्ले लेस लगवाएं। याद रखें, गोटा और गोल्डन लेस ट्रेडीशनल लुक देती है, पर फ्रेंच शैंटले लेस पहनावे को बनाएगी ट्रेंडी। यह फ्रेंच शैंटले लेस आप कुर्ते में नीचे की ओर एवं आगे योक की तरह लगवा सकती हैं। साथ ही पैरेलल सलवार में नीचे की ओर यह लेस लगवाएं। इसी प्रकार चुनरी पर भी लेस अच्छी लगेगी। पैटर्न और डिजाइन में यह पहनावा लेटेस्ट फैशन के अनुरूप है। वहींमोती और स्वरोस्की से सजी खूबसूरत फ्रेंच शैंटले लेस पहनावे को भव्यता के साथ ही एक अलग लुक देगी। दोस्त की मैरिज एनिवर्सरी हो या फिर ऑफिस का कोई फंक्शन, हर लिहाज से परफेक्ट है यह पार्टी वेयर ड्रेस।

उद्योग व्यापार विभाग ने स्टार्टअप पॉलिसी फोरम के साथ किया समझौता

एजेंसी

नई दिल्ली। देश में स्टार्टअप वातावरण को और मजबूत तथा जीवंत बनाने के लिए वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अंतर्गत उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने भारत की अग्रणी नई पीढ़ी की कंपनियों का प्रतिनिधित्व करने वाला एक प्रतिष्ठित उद्योग संगठन- स्टार्टअप पॉलिसी फोरम (एसपीएफ) के साथ सहयोग के लिए समझौता किया है। मंत्रालय की जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार स्टार्टअप पॉलिसी फोरम की बैठक 15-16 जनवरी को भारत मंडपम में राष्ट्रीय स्टार्टअप सप्ताह समारोह के रूप में आयोजित की जाएगी। इसमें स्टार्टअप इकाइयों के संस्थापक और नीति निर्माता शामिल होंगे। विज्ञप्ति में कहा गया है कि यह कार्यक्रम उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग और स्टार्टअप पॉलिसी फोरम सदस्यों के बीच नए सहयोग की घोषणा करने के लिए एक सार्थक मंच प्रदान करेगा। स्टार्टअप पॉलिसी फोरम उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग के साथ मिलकर विशेष इमर्सिव कार्यक्रम आयोजित करेगा, जिससे वैश्विक निवेशक भारतीय स्टार्टअप के साथ जुड़ सकेंगे और देश भर में उभर रहे अभूतपूर्व नवाचारों को प्रत्यक्ष रूप से देख सकेंगे।

आरपीजी समूह को विदेश में बिजली प्रेषण, वितरण परियोजनाओं के 1097 करोड़ रुपये के आर्डर

मुंबई। आरपीजी समूह की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कारोबार करने वाली अवसंरचना निर्माण कंपनी केईसी इंटरनेशनल लिमिटेड को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और अमेरिकी देशों से बिजली ट्रांसमिशन एवं वितरण (टीएंडडी) परियोजनाओं के कुल 1097 करोड़ रुपये के आर्डर मिले हैं। कंपनी की ओर से जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार केईसी इंटरनेशनल को यूएई में 400 केवी ट्रांसमिशन लाइनों की स्थापना का ठेका मिला है। इसी तरह कंपनी को अमेरिका, मैक्सिको और ब्राजील में टावरों, हार्डवेयर और खंभों की आपूर्ति के आर्डर मिले हैं। केईसी इंटरनेशनल लिमिटेड के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) विमल केजरीवाल ने टिप्पणी की, ÷ पश्चिम एशिया और और अमेरिकी क्षेत्र के इन ऑर्डरों ने हमारी अंतर्राष्ट्रीय टीएंडडी ऑर्डर बुक मजबूत हुई है। यह भारत में टीएंडडी परियोजनाओं के लिए हमारी मजबूत ऑर्डर बुक के अतिरिक्त हैं। इन आर्डरों के साथ इस वर्ष अब तक हमें 19,500 करोड़ रुपये से अधिक आर्डर प्राप्त हो गए हैं जिनमें 72 प्रतिशत टीएंडडी परियोजनाओं के लिए हैं।

चार्जिंग बुनियादी ढांचे के निर्माण में ईवी को अपनाना 'एक जन आंदोलन': गोयल

नयी दिल्ली । केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने भारत में ईवी (इलेक्ट्रिक वाहन) को अपनाने में तेजी लाने के लिए चार्जिंग बुनियादी ढांचे के साथ बैटरी स्वैपिंग सुविधाओं की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि चार्जिंग बुनियादी ढांचे के निर्माण के नेतृत्व में ईवी को अपनाना 'एक जन आंदोलन' होना चाहिए। श्री गोयल यहां भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) और उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) द्वारा सह-आयोजित 'बैटरी चार्जिंग और स्वैपिंग इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास' पर परामर्श बैठक को संबोधित कर रहे थे। इस बैठक में ऑटोमोबाइल, बैटरी, बैटरी चार्जिंग और बैटरी स्वैपिंग कंपनियों के प्रमुख उद्योग प्रतिनिधियों ने भाग लिया।चर्चा में केंद्रीय भारी उद्योग और इस्पात राज्य मंत्री भूपति राजू श्रीनिवास वर्मा, डीपीआईआईटी सचिव अमरदीप सिंह भाटिया और बिजली, पर्यावरण, सड़क परिवहन और राजमार्ग और भारी उद्योग मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हुए। बैठक के दौरान अमारा राजा एडवांस्ड सेल टेक्नोलॉजीज, सन मोबिलिटी, टीवीएस मोटर कंपनी, गोरोगो, एथर एनर्जी, महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड, हीरो मोटोकॉर्प और बजाज ऑटो के वरिष्ठ प्रतिनिधि भी उपस्थित थे।

संपत्तियों की ई-नीलामी के लिए पुनर्निर्मित 'बैंकनेट' ई-नीलामी पोर्टल का शुभारंभ

नयी दिल्ली। वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवाएं विभाग(डीएफएस) के सचिव एम. नागराजू ने आज यहां पुनर्निर्मित ई-नीलामी पोर्टल 'बैंकनेट' का शुभारंभ किया जहां ई-नीलामी पोर्टल पर सूचीबद्ध आवासीय संपत्तियों जैसे फ्लैट, स्वतंत्र घर और खुले भूखंडों के साथ-साथ वाणिज्यिक संपत्तियां, औद्योगिक भूमि और भवन, दुकानें, वाहन, संयंत्र और मशीनरी, कृषि और गैर-कृषि भूमि की नीलामी की जायेगी। इस अवसर पर ऋण वसूली अपीलीय न्यायाधिकरणों के अध्यक्ष, ऋण वसूली न्यायाधिकरणों के पीठासीन अधिकारी, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) के एमडी और सीईओ, भारतीय बैंक संघ के उप सीईओ, पीएसबी एलायंस लिमिटेड के वरिष्ठ अधिकारी और डीएफएस के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। यह प्लेटफ़ॉर्म सभी पीएसबी से ई-नीलामी संपत्तियों के बारे में जानकारी एकत्रित करता है और खरीदारों और निवेशकों को विभिन्न प्रकार की संपत्तियों की खोज करने के लिए एक स्थान पर सुविधा देता है। सूची में आवासीय संपत्तियाँ जैसे कि फ्लैट, स्वतंत्र घर और खुले भूखंड, साथ ही वाणिज्यिक संपत्तियाँ, औद्योगिक भूमि और भवन, दुकानें, वाहन, संयंत्र और मशीनरी, कृषि और गैर-कृषि भूमि शामिल हैं। इन सभी विवरणों को एक स्थान पर एकत्र करके, यह संपत्ति ई-नीलामी खोजने और उसमें भाग लेने की प्रक्रिया को सरल बनाता है, जिससे खरीदारों और निवेशकों के लिए अवसरों की पहचान करना आसान हो।

क्वाड्रेंट फ्यूचर टेक का आईपीओ 07 जनवरी को खुलेगा, प्राइस बैंड 275-290 रुपये प्रति शेयर

एजेंसी

मुंबई/नई दिल्ली। रेलवे सुरक्षा कवच बनाने वाली क्वाड्रेंट फ्यूचर टेक लिमिटेड कंपनी का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) निवेशकों के लिए 7 जनवरी को खुलेगा। कंपनी ने इसके लिए मूल्?य का दायरा (प्राइस बैंड) 275-290 रुपये प्रति शेयर तय किया है। इस आईपीओ के जरिए कंपनी 290 करोड़ जुटाना चाहती है। कंपनी ने जारी बयान में कहा कि क्वाड्रेंट फ्यूचर टेक लिमिटेड का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए 7 जनवरी, 2025 को खुलेगा। निवेशक इस इश्यू के लिए 9 जनवरी तक बोली लगा सकेंगे। कंपनी के शेयर 14 जनवरी को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज

(एनएसई) पर लिस्ट होंगे।क्वाड्रेंट फ्यूचर टेक लिमिटेड के मुताबिक निवेशक इस इश्?यू में मिनिमम 50 इक्विटी शेयर या उसके मल्टीपल में बोलियां लगा सकते हैं। खुदरा निवेशक के लिए न्यूनतम निवेश राशि 14 हजार 500 रुपये है। ये आईपीओ पूरी तरह से 290 करोड़ रुपये का एक फ्रेश इश्यू है, जिसमें ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) जैसी कोई पेशकश नहीं है। कंपनी इश्यू से मिलने वाले फंड में से 149.72 करोड़ रुपये का इस्तेमाल लॉन्ग टर्म वर्किंग कैपिटल जरूरतों की फंडिंग के लिए करेगी। इसके अलावा इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग सिस्टम के विकास लिए 24.37 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। वहीं, कंपनी 23.61 करोड़ रुपये वर्किंग कैपिटल अवधि ऋण के सभी या आंशिक हिस्से का पूर्व भुगतान और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्य को पूरा करने के लिए करेगी। उल्लेखनीय है कि क्वाड्रेंट फ्यूचर टेक लिमिटेड रिसर्च बेस्ड कंपनी है। यह भारतीय रेलवे के लिए न्यू जनरेशन के ट्रेन नियंत्रण और सिग्नलिंग सिस्टम तैयार करती है। ये सिस्टम रेल यात्रियों को हाईएस्ट लेवल की सुरक्षा और विश्वसनीयता प्रदान करता है। इसके साथ ही इलेक्ट्रॉन बीम विकिरण केंद्र के साथ एक विशेष केबल विनिर्माण सुविधा भी प्रोवाइड करता है। कंपनी के प्रमोटर मोहित वोहरा, अमित धवन, अमृत सिंह रंधावा, रूपिंदर सिंह, विशेष अबरोल और विवेक अबरोल, एक जोत सिंह और राजबीर सिंह रंधावा हैं।

लगातार चौथे हफ्ते विदेशी मुद्रा भंडार घटकर 640.28 अरब डॉलर पर

एजेंसी

मुंबई/नई दिल्ली। अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर झटका लगने वाली खबर है। विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार चौथे हफ्ते गिरावट दर्ज आई है। देश का विदेश मुद्रा भंडार 27 दिसंबर को समाप्त हफ्ते में 4.11 अरब डॉलर घटकर 640.28 अरब डॉलर पर आ गया है। इससे पिछले हफ्ते विदेशी मुद्रा भंडार 8.48 अरब डॉलर घटकर 644.39 अरब डॉलर रह गया था। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने जारी आंकड़ों में बताया कि 27 दिसंबर को समाप्त हफ्ते में देश का विदेश मुद्रा भंडार 4.11 अरब डॉलर घटकर 640.28 अरब डॉलर रहा है। इस दौरान विदेशी मुद्रा भंडार का प्रमुख हिस्सा विदेशी मुद्रा आस्तियां 4.64 अरब डॉलर घटकर 551.92 अरब डॉलर रह गईं। वहीं, स्वर्ण भंडार का आरक्षित मूल्य 54.1 करोड़ डॉलर बढ़कर 66.27 अरब डॉलर हो गया। आरबीआई के मुताबिक 27 दिसंबर को समाप्त हफ्ते में विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 1.2 करोड़ डॉलर घटकर 17.87 अरब डॉलर रह गया है। आंकड़ों के अनुसार इस दौरान अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास भारत का आरक्षित भंडार 4.22 अरब डॉलर पर अपरिवर्तित रह गया। देश के विदेशी मुद्रा भंडार में पिछले कुछ हफ्तों से आ रही गिरावट की वजह रुपये में उतार-चढ़ाव को कम करने के लिए आरबीआई का विदेशी मुद्रा बाजार में हस्तक्षेप के साथ-साथ मूल्यांकन को माना जा रहा है। उल् लेखनीय है कि सितंबर, 2024 के अंत में देश का विदेशी मुद्रा भंडार बढ़कर 704.88 अरब अमेरिकी डॉलर के अबतक के रिकॉर्ड उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था।

सर्राफा बाजार में लगातार तीसरे दिन महंगा हुआ सोना, चांदी की भी बढ़ी चमक

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज लगातार तीसरे दिन सोना महंगा हुआ है। सोने की तरह ही चांदी के भाव में भी आज तेजी आई है। सोने की कीमत में आज 800 रुपये से लेकर 870 रुपये प्रति 10 ग्राम की उछाल दर्ज की गई है। सोने के भाव में आई तेजी की वजह से देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 79,350 रुपये से लेकर 79,200 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 72,750 रुपये से लेकर 72,600 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में भी आज 2,000 रुपये प्रति किलोग्राम तेजी आई है, जिसके कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में इसकी कीमत 92,500 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 79,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 72,750 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 79,200 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 72,600 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा

है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 79,250 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 72,650 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 79,200 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 72,600 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 79,200 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 72,600 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 79,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 72,750 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 79,250 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 72,650 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 79,350 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 72,750 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने की कीमत में तेजी आई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 79,200 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना आज 72,600 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

संपत्तियों की ई-नीलामी के लिए नया पोर्टल बैंकनेट लॉन्च, एक प्लेटफॉर्म पर मिलेगी सारी जानकारी

एजेंसी

नई दिल्ली। वित्त मंत्रालय में वित्तीय सेवा विभाग के सचिव एम नागराजू ने वाणिज्यिक संपत्तियों, औद्योगिक प्लॉट, कृषि और गैर कृषि भूमि, वाहनों तथा दुकानों की ई-नीलामी के लिए बैंकनेट के नाम से नया पोर्टल लॉन्च किया। ये पोर्टल सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों से ई-नीलामी वाली संपत्तियों का पूरा ब्योरा इकट्ठा करके खरीदारों और निवेशकों के लिए एक प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराएगा। वित्त मंत्रालय के अनुसार इस पोर्टल पर खरीदार और निवेशक एक ही स्थान पर अपनी आवश्यकता के अनुसार संपत्ति को खोज सकेंगे। पोर्टल पर संपत्तियों की सूची में फ्लैट, इंडिपेंडेंट हाउस और ओपन प्लॉट जैसी आवासीय संपत्तियों का तो उल्लेख होगा ही, इसके साथ ही वाणिज्यिक संपत्तियां, औद्योगिक भूमि, औद्योगिक भवन, दुकान, वाहन, मशीनरी तथा कृषि एवं गैर कृषि भूमि को भी इस सूची में शामिल किया जाएगा। ये पोर्टल ई-नीलामी के लिए उपलब्ध संपत्तियों के विवरणों को एक स्थान पर एकत्र करके उन्हें खोजने और उनके लिए होने वाली ई-नीलामी में भाग लेने की प्रक्रिया को सरल बनाएगा, जिससे खरीदारों और निवेशकों के लिए अवसरों की पहचान करना आसान हो

जाएगा। इस मौके पर वित्त मंत्रालय में वित्तीय सेवा विभाग के सचिव एम नागराजू ने कहा कि इस ई-नीलामी प्लेटफॉर्म की शुरुआत से सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को वसूली प्रक्रिया में काफी सहायता मिलेगी, जिससे बैंकों की बैलेंस शीट में सुधार होगा और व्यवसायों और व्यक्तियों के लिए ऋण उपलब्धता बढ़ेगी। उन्होंने इस पहल में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों, भारतीय दिवाला एवं ऋण शोधन अक्षमता बोर्ड (आईबीबीआई) और ऋण वसूली न्यायाधिकरणों (डीआरटी) द्वारा निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया और कहा कि उनका सहयोग इस मंच की सफलता की कुंजी है। नागराजू ने कहा कि इस प्लेटफॉर्म से संकटग्रस्त संपत्तियों का मूल्यांकन करके और निवेशकों का विश्वास बढ़ाकर समग्र आर्थिक माहौल को बेहतर बनाया जा सकेगा। प्रौद्योगिकी के उपयोग से ये प्रक्रिया अधिक पारदर्शी, कुशल और सुलभ होगी। संशोधित पोर्टल में कई बेहतर और उन्नत सुविधाएं जोड़ी गई हैं। इसमें स्वचालित एवं एकीकृत भुगतान गेटवे और केवाईसी उपकरण, व्यय विश्लेषण के लिए डैशबोर्ड सुविधा और एक क्लिक पर अलग-अलग एमआईएस रिपोर्ट्स भी उपलब्ध होंगी।

डिजिटल व्यक्तिगत डेटा सुरक्षा नियम का मसौदा जारी किया; टिप्पणियाँ आमंत्रित

एजेंसी

नई दिल्ली। सरकार ने डिजिटल व्यक्तिगत डेटा सुरक्षा (डीपीडीपी) नियम के लिए मसौदा जारी किए, जिसमें कहा गया कि भारतीयों का व्यक्तिगत डेटा देश से बाहर नहीं जाना चाहिए और साथ ही 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को सोशल मीडिया पर खाता बनाने के लिए माता-पिता की सहमति की आवश्यकता होगी।इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय द्वारा मसौदा नियम सार्वजनिक परामर्श के लिए जारी किए गए हैं और इस साल 18 फरवरी तक जनता से टिप्पणियाँ मांगी गई हैं। इसमें सुझाव दिया गया है कि डेटा फ़िड्युसरी को अपने कब्जे में या अपने नियंत्रण में व्यक्तिगत डेटा की सुरक्षा करनी चाहिए, जिसमें व्यक्तिगत डेटा उल्लंघन को रोकने के लिए उचित सुरक्षा उपाय करके डेटा प्रोसेसर द्वारा उसके या उसकी ओर से किए गए किसी भी प्रसंस्करण के संबंध में शामिल है।किसी भी व्यक्तिगत डेटा उल्लंघन के बारे में पता चलने पर, डेटा फिड्युसरी को, अपने सर्वोत्तम ज्ञान के अनुसार, प्रत्येक प्रभावित डेटा प्रिंसिपल को, संक्षिप्त, स्पष्ट और स्पष्ट तरीके से और बिना किसी देरी के, उसके उपयोगकर्ता खाते या डेटा फिड्युसरी के साथ उसके द्वारा पंजीकृत संचार के किसी भी तरीके के माध्यम से सूचित करना चाहिए। बच्चे या विकलांग व्यक्ति के व्यक्तिगत डेटा के प्रसंस्करण के लिए सत्यापन योग्य सहमति के संबंध में, जिसके पास वैध अभिभावक है, मसौदा नियमों ने सुझाव दिया कि डेटा फिड्युसरी को यह सुनिश्चित करने के लिए उचित तकनीकी और संगठनात्मक उपाय अपनाने चाहिए कि बच्चे के किसी भी व्यक्तिगत डेटा के प्रसंस्करण से पहले माता-पिता की सत्यापन योग्य सहमति प्राप्त की जाए और यह जाँचने के लिए उचित परिश्रम करना चाहिए कि माता-पिता के रूप में खुद की पहचान करने वाला व्यक्ति एक वयस्क है जो भारत में वर्तमान में लागू किसी भी कानून के अनुपालन के संबंध में आवश्यक होने पर पहचान योग्य है।

ईपीएफओ पेंशनधारक किसी भी बैंक से निकाल सकेंगे पेंशन, देशभर में हुआ लागू

एजेंसी

नई दिल्ली। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने देशभर में अपने सभी क्षेत्रीय कार्यालयों में केंद्रीकृत पेंशन भुगतान प्रणाली (सीपीपीएस) को पूरी तरह लागू कर दिया है। इसके लागू होने से ईपीएफओ पेंशनधारक अब किसी भी बैंक से अपनी पेंशन निकल सकेंगे। इससे 68 लाख से अधिक पेंशनधारक लाभान्वित होंगे।

श्रम और रोजगार मंत्रालय ने जारी एक बयान में कहा कि ईपीएफओ ने देशभर में अपने सभी क्षेत्रीय कार्यालयों में केंद्रीकृत पेंशन भुगतान प्रणाली (सीपीपीएस) लागू करने का काम पूरा कर लिया है। सीपीपीएस के तहत ईपीएफओ लाभार्थी किसी भी बैंक से पेंशन निकाल सकेंगे, उन्?हें पेंशन शुरू होने के समय सत्यापन के लिए बैंक जाने की आवश्यकता नहीं होगी। राशि जारी होने पर तुरंत जमा कर दी जाएगी मंत्रालय ने बताया कि

सीपीपीएस मौजूदा पेंशन वितरण प्रणाली से एक आदर्श बदलाव है, जो विकेन्द्रीकृत है। इसमें ईपीएफओ का प्रत्येक संभागीय या क्षेत्रीय कार्यालय केवल तीन-चार बैंकों के साथ अलग-अलग समझौते करता है। मंत्रालय के मुताबिक जनवरी, 2025 से सीपीपीएस प्रणाली पूरे भारत में पेंशन का वितरण सुनिश्चित करेगी तथा पेंशनधारकों के किसी अन्य स्थान पर जाने या उनके द्वारा अपना बैंक या शाखा बदलने के बावजूद पेंशन भुगतान आदेश (पीपीओ) को एक कार्यालय से दूसरे कार्यालय में स्थानांतरित करने की जरूरत नहीं होगी।

इससे उन पेंशनभोगियों को बड़ी राहत मिलेगी जो सेवानिवृत्ति के बाद अपने गृहनगर चले जाते हैं। श्रम और रोजगार मंत्रालय ने कहा कि सीपीपीएस की पहली पायलट परियोजना पिछले वर्ष अक्टूबर 2024 में करनाल, जम्मू और श्रीनगर क्षेत्रीय कार्यालयों में पूरी हो गई थी। इसमें 49 हजार से अधिक ईपीएस पेंशनधारकों को करीब 11 करोड़ रुपये की पेंशन वितरित की गई थी। दूसरी पायलट परियोजना नवंबर में 24 क्षेत्रीय कार्यालयों में शुरू किया गया था, जहां 9.3 लाख से अधिक पेंशनधारकों को करीब 213 करोड़ रुपये की पेंशन वितरित की गई।

उल्लेखनीय है कि पेंशन सेवाओं को बढ़ाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम के रूप में कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने दिसंबर में कर्मचारी पेंशन योजना 1995 के तहत नए सीपीपीएस को पूर्ण स्तर पर लागू किया है। दिसंबर, 2024 के लिए ईपीएफओ के सभी 122 पेंशन वितरण क्षेत्रीय कार्यालयों से संबंधित 68 लाख से अधिक पेंशनधारकों को लगभग 1,570 करोड़ रुपये की पेंशन वितरित की गई।

लॉजिस्टिक्स विकास के 2024 के रिपोर्ट कार्ड में गुजरात, कर्नाटक, उत्तर प्रदेश,सहित 13राज्य 'सफल'

एजेंसी

नई दिल्ली। राज्यों में लॉजिस्टिक्स क्षेत्र (परिवहन एवं माल ढुलाई तंत्र) के विकास की स्थिति पर केंद्र द्वारा जारी एक वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार गुजरात, कर्नाटक, महाराष्ट्र, ओडिशा, तमिलनाडु, हरियाणा, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, असम, अरुणाचल प्रदेश और चंडीगढ़ तथा दिल्ली अपने अपने समूह में सफल प्रदेश घोषित किए गए हैं।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने नई दिल्ली में लॉजिस्टिक्स ईज एक्रॉस डिफरेंट स्टेट्स (लीड्स) 2024' रिपोर्ट जारी की। इस अवसर पर उन्होंने राज्यों से निजी क्षेत्र के साथ मिलकर निवेश आकर्षित करने के लिए बेहतर लॉजिस्टिक्स कारोबार के लिए कार्ययोजना बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि अंतिम छोर तक सम्पर्क सुविधाओं के विस्तार के लिए क्षेत्रीय और शहर स्तरीय लॉजिस्टिक्स योजनाएं विकसित करने की जरूरत है। इस अवसर पर वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री जितिन प्रसाद और उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के सचिव अमरदीप सिंह भाटिया भी मौजूद थे।

रिपोर्ट में राज्यों को तटीय, भूबद्ध, पूर्वोत्तर क्षेत्र और केंद्र शासित प्रदेश- इन चार समूहों में बांट कर उनमें लॉजिस्टिक्स सुविधाओं की प्रगति के पैमाने पर उन्हें सफल, तेज प्रगति करने वाले और आकांक्षी या प्रयासरत राज्यों की श्रेणी में रखा जाता है। इस रिपोर्ट का उद्येश्य राज्यों के बीच परिवन प्रणालियों से जुड़ी अवसंरचना और अन्य पक्षों के विकास के लिए स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का वातावरण बनाना है। लीड्स 2024 में तटीय समूह के राज्यों में 'सफल' श्रेणी में गुजरात, कर्नाटक, महाराष्ट्र, ओडिशा और तमिलनाडु को स्थान मिला है। इस समूह में तेज गति से आगे बढ़ने वाले राज्य की श्रेणी में आंध्र प्रदेश और गोवा तथा आकांक्षी की श्रेणी में केरल और पश्चिम बंगाल को रखा गया है। भूमिबद्ध समूह के राज्यों में सफल की श्रेणी में हरियाणा, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड है। इस समूह के तेज गति से आगे बढ़ने वाले राज्यों की श्रेणी में बिहार, हिमाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश, पंजाब और राजस्थान को तथा आकांक्षी की श्रेणी में छत्तीसगढ़ राज्य है। झारखंड पूर्वोत्तर समूह के सफल राज्यों की श्रेणी में असम और अरुणाचल प्रदेश को स्थान मिला है। समूह में तेज गति से आगे बढ़ने वाले राज्यों में मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, सिक्किम और त्रिपुरा तथा आकांक्षी की श्रेणी में मणिपुर है। केंद्र शासित प्रदेशों के समूह में सफल की श्रेणी में चंडीगढ़ और दिल्ली, तेज गति से आगे बढ़ने वालों की श्रेणी में दादरा और नगर हवेली तथा दमन और दीव, जम्मू-कश्मीर, लक्षद्वीप और पुडुचेरी तथा आकांक्षी की श्रेणी में अंडमान और निकोबार द्वीप समूह तथा लद्दाख का नाम है। इस कार्यक्रम में श्री गोयल ने लॉजिस्टिक्स क्षेत्र में अच्छा प्रदर्शन करने वाली बड़ी , छोटी कंपनियों और स्टार्टअप को शील्ड प्रदान किए ।

सिटीकेम इंडिया ने पहले दिन ही निवेशकों को किया निराश, फ्लैट लिस्टिंग के बाद लुढ़के शेयर

एजेंसी

नई दिल्ली। फार्मास्यूटिकल सेक्टर की कंपनी सिटीकेम इंडिया लिमिटेड के शेयरों ने आज आईपीओ निवेशकों को काफी निराश किया। आईपीओ के तहत कंपनी ने 70 रुपये के भाव पर शेयर जारी किए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर शेयरों की लिस्टिंग बिना किसी उतार-चढ़ाव के 70 रुपये के भाव पर ही हुई। लिस्टिंग के बाद बिकवाली का दबाव बनने के कारण ये शेयर टूट कर 66.50 रुपये के लोअर सर्किट लेवल तक गिर गया। हालांकि, बाद में खरीदारी शुरू होने पर इस शेयर ने लोअर सर्किट ब्रेक करके 1.90 रुपये की कमजोरी के साथ 68.10 रुपये के स्तर पर आज के कारोबार का अंत किया। इस तरह कंपनी के आईपीओ निवेशकों को पहले दिन ही 2.71 प्रतिशत के नुकसान का सामना करना पड़ा। सिटीकेम

इंडिया लिमिटेड का 12.60 करोड़ रुपये का आईपीओ 27 से 31 दिसंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जोरदार रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 414.35 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के जरिए 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 18 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। कंपनी इन शेयरों के जरिए जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल नई प्रॉपर्टी खरीदने, ट्रांसपोर्टेशन व्हीकल और एक्सेसरीज खरीदने तथा आम कॉर्पोरेट उद्देश्यों में करेगी। 1992 से काम कर रही सिटीकेम इंडिया लिमिटेड की वित्तीय स्थिति की बात करें, तो कंपनी के दावे के मुताबिक इसका मुनाफा लगातार बढ़ता रहा है। 2021-22 में कंपनी को 23.94 लाख रुपये का शुद्ध मुनाफा हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष में बढ़कर 36.26 लाख रुपये हो गया। इसी तरह 2023-24 में कंपनी का मुनाफा 1.12 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। मौजूदा वित्त वर्ष की पहली तिमाही में ही कंपनी को 19.95 लाख रुपये का शुद्ध मुनाफा हो चुका है।

पेट्रोल और डीजल की कीमतें स्थिर

नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट आने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और

डीजल के दाम आज स्थिर रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर पर रहा। वैश्विक स्तर पर सप्ताहांत पर अमेरिकी क्रूड 0.44 प्रतिशत उतरकर 72.81 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। इसी तरह लंदन ब्रेंट क्रूड 0.45 प्रतिशत की गिरावट के साथ 75.59 डॉलर प्रति बैरल पर रहा।

शेयर बाजार की तेजी पर ब्रेक, सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट

एजेंसी

नई दिल्ली। नए साल के पहले 2 दिन के दौरान बने तेजी के माहौल पर ब्रेक लग गया। आज के कारोबार की शुरुआत मामूली बढ़त के साथ हुई, लेकिन बाजार खुलने के बाद पूरे दिन बिकवाली का दबाव बना रहा। इसी वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक गिरावट का शिकार हो गए। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.90 प्रतिशत और निफ्टी 0.76 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए। आज दिन भर के कारोबार के दौरान ऑयल एंड गैस, पीएसई और एनर्जी सेक्टर के शेयरों में लगातार खरीदारी होती रही। इसके साथ ही कंज्यूमर ड्यूरेबल, एफएमसीजी और मेटल इंडेक्स भी मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे। दूसरी ओर आईटी, बैंकिंग और फार्मास्यूटिकल सेक्टर के शेयरों में आज लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा। इसके साथ ही ऑटोमोबाइल, कैपिटल गुड्स और टेक इंडेक्स भी कमजोरी के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में भी आज आमतौर पर दबाव बना रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.33 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.03 प्रतिशत की सांकेतिक गिरावट के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब 80 हजार करोड़ रुपये की कमी बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद घट कर 449.67 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी गुरुवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 450.47 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 80 हजार करोड़ रुपये का नुकसान हो गया। आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,103 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,117 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,866 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 120 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,508 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,295 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,213 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 11 शेयर बढ़त के साथ और 19 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 21 शेयर हरे निशान में और 29 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 129.28 अंक की मजबूती के साथ 80,072.99 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही बाजार में बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से ये सूचकांक गिरकर लाल निशान में पहुंच गया। सुबह 11 बजे के बाद कुछ देर के लिए खरीदारों ने लिवाली का जोर बनाने की कोशिश की, जिससे इस सूचकांक की चाल में सुधार होता हुआ नजर आया, लेकिन ये तेजी अधिक देर तक नहीं टिकी। दोपहर 12 बजे के बाद बिकवाली का दबाव एक बार फिर बढ़ गया, जिसके कारण ये सूचकांक नीचे गिरता चला गया। आज का कारोबार खत्म होने के थोड़ी देर पहले ये सूचकांक ऊपरी स्तर से 963.26 अंक लुढ़क कर 833.98 अंक की कमजोरी के साथ 79,109.73 अंक तक गिर गया। हालांकि आखिरी वक्त में इंट्रा-डे सेटलमेंट के कारण हुई खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक निचले स्तर से 110 अंक से अधिक की रिकवरी करके 720.60 अंक की गिरावट के साथ 79,223.11 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

कृति सैनन

ने दिया अपने बॉयफ्रेंड को धोखा? सोशल मीडिया पर वायरल हुई यह पोस्ट

बॉलीवुड एक्ट्रेस कृति सैनन अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर फिर एक बार सुर्खियों में हैं। आदिपुरुष फेम एक्ट्रेस के पॉडकास्ट का एक क्लिप इंटरनेट पर वायरल है जिसमें वह अपनी निजी जिंदगी के बारे में कह रहे हैं कि अगर किसी ने उनके साथ गलत किया है तो वह उसे दोबारा मौका नहीं दे पाती हैं। एक्ट्रेस के इसी इंटरव्यू के वीडियो पर एक यूजर ने जो कमेंट किया है वो इंटरनेट पर वायरल हो गया है। यह सोशल मीडिया यूजर खुद को एक्ट्रेस का कॉलेज मेट होने का दावा कर रहा है।

कृति सैनन ने दिया था अपने बॉयफ्रेंड को धोखा

सोशल मीडिया यूजर ने कमेंट में लिखा, कृति मेरे कॉलेज जेपी यूनिवर्सिटी से हैं, साथ ही उनका एक काफी रईस बॉयफ्रेंड था। वह उसी बॉयफ्रेंड के पैसों पर निर्भर थीं और यहां तक कि उस बंदे ने एक्ट्रेस को मुंबई शिफ्ट होने में भी मदद की, जहां दोनों साथ में रहते थे। लेकिन पहली फिल्म मिलने के बाद उनका (कृति) का बर्ताव नाटकीय ढंग से बदल गया, और तकरीबन 6 महीने के बाद कृति सैनन ने उसे चीट करना शुरू कर दिया।

धोखा खाने के बाद वह पूरी तरह टूट गया था

कृति सैनन के इस पॉडकास्ट पर यूजर ने आगे लिखा, वह धोखा खाने के बाद पूरी तरह टूट गया था, वह गीक्स फॉर गीक्स के मैनेजर का अच्छा दोस्त था। मैं यह सब इसलिए भी जानता हूं क्योंकि मैंने उस मैनेजर के अंडर काम किया है। वो मैनेजर, वो बंदा, और मैं, सभी एक ही कॉलेज में पढ़े हैं। हालांकि हम सभी के बैच अलग-अलग थे। इस क्लिप पर कई लोगों ने अपने-अपने रिएक्शन दिए हैं। लोगों एक तरफ जहां इस बात पर यकीन नहीं हो रहा है वहीं दूसरी तरफ कृति सैनन के फैंस सपोर्ट में आगे आ गए हैं।

कमेंट सेक्शन में सपोर्ट में आ गए कृति फैंस

एक सोशल मीडिया यूजर ने लिखा, मुझे नहीं लगता कि यह सच है। वहीं दूसरे ने कमेंट किया गया- मुझे नहीं पता था कि एक वक्त पर कमेंट को लेकर भी रील बनाई जाएंगी। एक सोशल मीडिया यूजर ने पोस्ट किया- यह जाहिर तौर पर झूठ है क्योंकि उसके पिता भी इंडस्ट्री से थे और वह कॉलेज के दिनों से ही मॉडलिंग कर रही है। तो अगर मैं कृति सैनन को पसंद नहीं भी करता तो भी मुझे इस बात पर यकीन नहीं होता। दो पत्ती, तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया और आदिपुरुष जैसी फिल्मों का हिस्सा रहीं कृति सैनन की अगली फिल्म का फैंस को बेसब्री से इंतजार है।

फिनाले से पहले टूट जाएगी चुम और श्रुतिका की दोस्ती? अर्जुन की सीख से बिगड़ सकते हैं रिश्ते

बिग बॉस के घर में रिश्तों का बनना और उनका बिगड़ा बेहद आम सी बात है. बिग बॉस 18 में फैमली वीक चल रहा है. कंटेस्टेंट्स के घरवाले उन्हें जीत की तरफ बढ़ने का हौसला देते हुए नजर आए. ज्यादातर कंटेस्टेंट्स के फैमली मेंबर का यही कहना था कि अब फिनाले में महज 15 दिन बाकी हैं और आपको अपने गेम पर ध्यान देना चाहिए. विवियन डीसेना की पत्नी नौरान ने भी उनसे यही कहा था. अब श्रुतिका अर्जुन के पति अर्जुन ने भी उनसे यही कहा है. उनका साफ कहना है कि सारे रिश्तों को साइड रखकर पहले अपने लिए खेलो.शो देखने वाले अब तक ये बात अच्छे से समझ चुके हैं कि इस सीजन में अगर किसी की दोस्ती सबसे अच्छी है तो वो चुम और श्रुतिका हैं. चुम और श्रुतिका एक-दूसरे के लिए काफी कुछ करते हैं. श्रुतिका ने ही चुम को टाइम गॉड भी बनाया है और उन्हें कई बार नॉमिनेशन टास्क के दौरान सेफ भी किया है. इतना ही नहीं श्रुतिका ने तो खुद को नॉमिनेट करके भी उन्हें बचाया है. अब जब फैमली वीक में श्रुतिका के पति घर में आए, तो उन्होंने पहले तो भागकर अपनी पत्नी को गले लगा लिया.

अर्जुन ने दी श्रुतिका को गेम खेलने की सलाह

दोनों एक-दूसरे को देखकर काफी इमोशनल नजर आए. वहीं सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में साफ-साफ देखा जा सकता है कि अर्जुन अपनी वाइफ श्रुतिका को गेम की अहमियत समझाते हुए नजर आ रहे हैं. वो उन्हें समझा रहे हैं कि पहले अपने लिए खेलो. दूसरों को बोलो कि मैं तुम्हें पसंद करती हूं लेकिन पहले मैं अपने लिए खेलूंगी. अर्जुन कहते हैं कि अब ये कुछ मत सोचो..बहुत हो गया. अब आखिरी 15 दिन बचे हैं आपके लिए..आप इस घर में इंजॉय करो. लड़ना है लड़ोज्एंटरटेन करोजरिश्तों के बारे में ज्यादा सोचने की जरूरत नहीं है. साफ कहो कि अगर कोई टास्क होगा मैं सिर्फ अपने लिए खेलूंगी.अर्जुन आगे कहते हैं कि साफ कह दो सबसे कि मैं तुम्हें या तुम्हें सपोर्ट नहीं करूंगी. ये आखिरी 15 दिन ट्राफी के लिए हैं. मैं ट्रॉफी के लिए खेलूंगी. ट्रॉफी मैं किसी के साथ शेयर नहीं करूंगी. दोस्ती मायने रखती है, लेकिन गेम और टास्क में मैं अपने लिए खेलूंगी. इस क्लिप को देखने के बाद हर कोई इसी बात का अंदाजा लगा रहा है कि इन बातों का असर कहीं श्रुतिका और चुन की दोस्ती पर न पड़ जाए. क्योंकि इन दोनों को हमेशा एक-दूसरे के लिए खेलते हुए देखा गया है.

पंजाबी फिल्मों में फ्लॉप हुईं तो इन 5 एक्ट्रेसेस को मिला भोजपुरी सिनेमा का सहारा, अब कर रहीं सुपरस्टार्स के साथ काम

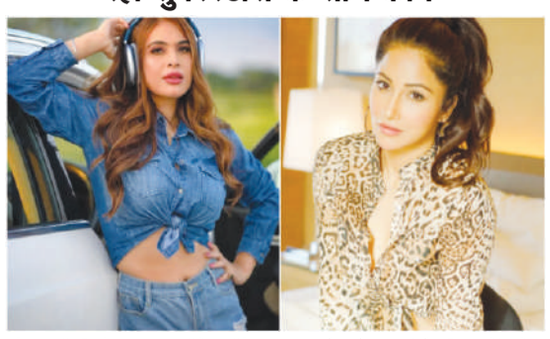

भोजपुरी सिनेमा अब धीरे-धीरे बढ़ रहा है और यहां के सितारों को देशभर में पहचान भी मिल रही है. वहीं भोजपुरी गानों को विदेशों में भी सुना जाने लगा है. भोजपुरी सिनेमा से अब पंजाबी फिल्म इंडस्ट्री भी जुड़ रही है और पंजाब के कलाकार भोजपुरी फिल्मों में भी हाथ आजमा रहे हैं. भोजपुरी सिनेमा में ऐसी कई एक्ट्रेसेस हैं, जो पंजाबी फिल्म इंडस्ट्री में काम कर चुकी हैं और अब भोजपुरी में भी काम कर रही हैं.

भोजपुरी सिनेमा में किस्मत आजमाने आईं पंजाबी एक्ट्रेसेस

भोजपुरी फिल्मों में काम करने वाली सभी एक्ट्रेसेस भोजपुरी समाज से नहीं जुड़ी हैं. कुछ ऐसी एक्ट्रेसेस हैं जो पंजाबी फिल्म इंडस्ट्री से ताल्लुक रखती हैं, लेकिन भोजपुरी फिल्मों में भी अब एक्टिव हैं, वो एक्ट्रेसेस कौन-कौन सी हैं, आइए जानते हैं.

जैज सोढ़ी

पंजाबी एक्ट्रेस जैज सोढ़ी ने दिनेश लाल के साथ फिल्म आए हम बारात लेके में काम किया है. इसके अलावा उन्होंने कुछ भोजपुरी गानों में भी अपनी अदाएं दिखाई हैं. वहीं पांजाबी फिल्मों में जैज ने 'फैमिली 420 वन्स अगेन' और 'मैं तेरी तू मेरा' जैसी फिल्में की हैं.

प्रियंका खेरा

पंजाबी एक्ट्रेस प्रियंका खेरा ने कई पंजाबी टीवी सीरियल में काम किया है. इसके अलावा 'रिश्ता क्या कहलाता है' में भी इन्होंने काम किया है. अब प्रियंका भोजपुरी फिल्मों में भी नजर आती हैं और इन्हें पवन सिंह के साथ हिंदी गाने 'याद आती नहीं' में देखा गया.

स्वाति चौहान

पंजाबी म्यूजिक एल्बम में नजर आ चुकीं एक्ट्रेस स्वाति चौहान भी भोजपुरी सिनेमा का हिस्सा हैं. उन्होंने पवन सिंह के साथ एक गाना 'तुम्हारे सिवा' में काम किया. भोजपुरी स्टार के साथ काम करने से पहले स्वाति पंजाबी म्यूजिक एल्बम में भी नजर आ चुकी हैं.

रेणुका पवार

पंजाबी एक्ट्रेस रेणुका पवार हरियाणवी और पंबाजी म्यूजिक वीडियो में नजर आ चुकी हैं. उन्होंने पवन सिंह के साथ हिंदी म्यूजिक वीडियो में काम किया और कुछ भोजपुरी फिल्मों के साथ भी जुड़ी हैं.

नेहा मलिक

पंजाबी एक्ट्रेस नेहा मलिक भी भोजपुरी सिनेमा से जुड़ चुकी हैं. इन दिनों वो सोशल मीडिया सेंसेशन बनी हुई हैं. नेहा कई पंजाबी म्यूजिक वीडियो में नजर आई हैं और खेसारी लाल के साथ वो हिंदी गाना 'तेरे मेरे दरमियां' म्यूजिक वीडियो में नजर आईं थीं.

महेश बाबू, प्रियंका चोपड़ा

और पृथ्वीराज की फिल्म का बजट हैरान कर देगा, एसएस राजामौली के करियर की

डायरेक्टर एसएस राजामौली, महेश बाबू और प्रियंका चोपड़ा को लेकर अपने करियर की सबसे बड़ी फिल्म बना रहे हैं। इस फिल्म में एक्टर पृथ्वीराज भी होंगे। अब फिल्म के बजट को लेकरखबर सामने आई है। बताया जा रहा है इस फिल्म के लिए प्रोड्यूसर ने 1000 करोड़ रूपए का बजट दिया है। ये अभी तक की सबसे महंगी इंडियन फिल्म होने वाली है जिसे दो भागों में बनाया जाएगा। फिल्म की स्क्रिप्ट पूरी हो चुकी है। शूटिंग इस साल अप्रैल से शुरू होगी। फिल्म 2027 से 2029 के बीच रिलीज होगी। खास बात यह है कि एसएस राजामौली और महेश बाबू ने इस प्रोजेक्ट के लिए प्रोड्यूसर्स के साथ 40त्न की डील की है। बड़े बजट की फिल्म के लिए OTT प्लेटफॉर्म्स से भी मोटी रकम वसूली जाने की खबर है।

प्रियंका चोपड़ा कई हिंदी स्क्रिप्ट पर विचार कर रही थीं। लेकिन एसएस राजामौली के इस प्रोजेक्ट के लिए हां बोलने के लिए एक्ट्रेस छ हफ्तों का लंबा समय ले लिया। उन्हें ग्लोबल स्टार महेश बाबू के साथ देखने का इंतजार हो रहा है। इस फिल्म में पृथ्वीराज भी अहम किरदार में नजर आने वाले हैं। फिल्म फिलहाल प्री प्रोडक्शन में हैं। फिल्म के लिए फैंस को दो साल का लंबा इंतजार करना पड़ेगा।

बता दें, प्रियंका चोपड़ा को लंबे समय से हिंदी फिल्मों में देखने का इंतजार हो रहा है। एक्ट्रेस आखिरी बार फरहान अख्तर के साथ फिल्म 'द स्काई इज पिंक' में नजर आई थीं। इसके बाद उन्हें फरहान अख्तर की ही अगली फिल्म 'जी ले जरा' में देखने का इंतजार हो रहा था। हालांकि, फिल्म की शूटिंग अभी तक शुरू नहीं हुई है। उम्मीद है आने वाले साल में एक्ट्रेस बॉलीवुड फिल्मों में भी नजर आएंगी।

विकसित भारत के लिए नए क्षेत्रीय विकास केंद्रों को बढ़ाती भारतीय रेल

नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री

के कर कमलों द्वारा

उत्तर रेलवे के नये जम्मू रेलवे डिवीजन

एवं

ट्विन सिटी सिकंदराबाद-हैदराबाद में चर्लपल्ली न्यू टर्मिनल स्टेशन

का

शुभारम्भ

और

ओडिशा में रायगड़ा रेल मंडल भवन

का

शिलान्यास

(वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से)

6 जनवरी 2025 | समयः प्रातः 11:00 बजे

विशेषताएं

नया जम्मू रेल मंडल

- भारत के प्रमुख शहरों और कस्बों को जम्मू–कश्मीर क्षेत्र से जोड़ेगा, जिससे लोगों की लंबे समय से चली आ रही मांग होगी पूरी।
- व्यापार, पर्यटन और आर्थिक अवसरों को बढ़ावा देकर क्षेत्र में विकास के लिए बनेगा गेम–चेंजर।
- जम्मू–कश्मीर के क्षेत्रों, जैसे उधमपुर–श्रीनगर–बारामूला और लेह–लद्दाख, को भारत के प्रमुख गंतव्यों से जोड़कर एकता और विकास को करेगा सुदृढ़।

रायगड़ा रेल मंडल भवन

- डिविजनल कंट्रोल ऑफिस, पर्यावरण–अनुकूल स्टाफ आवास और आधुनिक सुविधाओं के साथ कोरापुट, रायगड़ा और कालाहांडी में रेलवे संचालन को सशक्त बनाएगा।
- सुव्यवस्थित रेलवे प्रबंधन से ओडिशा में रेल संचालन की दक्षता को मिलेगा बढ़ावा।
- दक्षिण ओडिशा के जनजातीय क्षेत्र में कनेक्टिविटी को मजबूत करते हुए, विकास एवं आर्थिक प्रगति को मिलेगा बढ़ावा।

तेलंगाना में चर्लपल्ली न्यू टर्मिनल स्टेशन

- ट्विन सिटी में चर्लपल्ली पर विश्वस्तरीय, पर्यावरण–अनुकूल टर्मिनल, जो प्रदान करेगा उच्च स्तरीय सुविधाएं।
- इस से सिकंदराबाद, हैदराबाद और काचीगुडा के मौजूदा टर्मिनलों पर दबाव होगा कम।
- नई ट्रेनों के संचालन को सक्षम बना कर, तेलंगाना व आसपास के क्षेत्रों के लोगों के लिए बढ़ाएगा कनेक्टिविटी।

गरिमामयी उपस्थिती

अश्विनी वैष्णव
केंद्रीय मंत्री रेल, सूचना एवं प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्यिगिकी

मनोज सिन्हा
लेफ्टिनेंट गवर्नर
जम्मू कश्मीर

उमर अब्दुल्ला
मुख्यमंत्री, जम्मू कश्मीर

डॉ. जितेन्द्र सिंह
केंद्रीय राज्य मंत्री विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी (स्वतंत्र प्रभार) पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (स्वतंत्र प्रभार), प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन मंत्रालय, परमाणु ऊर्जा विभाग और अंतरिक्ष विभाग

वी. सोमन्ना
केंद्रीय राज्य मंत्री,
रेल और जल शक्ति

रवनीत सिंह
केंद्रीय राज्य मंत्री रेल
और खाद्य प्रसंस्करण उद्योग

सतीश शर्मा
माननीय खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले, परिवहन, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, सूचना प्रौद्योगिकी, युवा सेवाएं एवं खेल तथा कषि एवं प्रशिक्षण विभाग मंत्री

गुलाम अली खटाना
संसद सदस्य

जुगल किशोर
संसद सदस्य

DD NEWS पर लाइव प्रोग्राम देखें